



प्रारंभिक परीक्षा, 2024: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (सेट-D)

1. दिसंबर 2023 तक भारत सरकार द्वारा कतिने परसिमन आयोग गठित किये गए हैं?

- (a) एक
- (b) दो
- (c) तीन
- (d) चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारत में परसिमन आयोग का गठन 4 बार किया जा चुका है – वर्ष 1952 में (परसिमन आयोग अधिनियम, 1952 के तहत), वर्ष 1963 में (परसिमन आयोग अधिनियम, 1962 के तहत), वर्ष 1973 में (परसिमन आयोग अधिनियम, 1972 के तहत) और वर्ष 2002 में (परसिमन आयोग अधिनियम, 2002 के तहत)।
- परसिमन का तात्पर्य जनसंख्या में होने वाले परिवर्तनों के आलोक में किसी देश के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करना है। संवधान के अनुच्छेद 82 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद संसद द्वारा परसिमन अधिनियम बनाया जाए।
- भारत में परसिमन आयोग एक उच्च शक्ति प्राप्त निकाय है जिसके आदेशों को वधिक शक्ति प्राप्त होती है तथाकिसी भी न्यायालय के समक्ष इन आदेशों को प्रश्नगत नहीं किया जा सकता है।

अतः विकल्प (d) सही है।

2. संवधान (71वें संशोधन) अधिनियम, 1992 के द्वारा नमिनलखित में से कसि भाषा को शामिल करने के लिये संवधान की आठवीं अनुसूची में संशोधन किया गया है?

1. कोंकणी
2. मणपुरी
3. नेपाली
4. मैथिली

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1, 2 और 4
- (c) 1, 3 और 4
- (d) 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

आठवीं अनुसूची:

- इसमें भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषाओं की सूची दी गई है। भारतीय संवधान के भाग XVII में अनुच्छेद 343 से 351 तक

आधिकारिक भाषाओं का उल्लेख है।

- संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं हालाँकि संविधान के प्रारंभ में 14 भाषाओं का उल्लेख किया गया था। वर्ष 1967 में **संथाली** भाषा को इसमें जोड़ा गया।
- 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा **कोंकणी, मणिपुरी एवं नेपाली** को इसमें जोड़ा गया। इसके साथ ही आठवीं अनुसूची में भाषाओं की कुल संख्या बढ़कर 18 हो गई।
- **बोडो, डोगरी, मैथिली एवं संथाली** को 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा जोड़ा गया जो वर्ष 2004 में लागू हुआ। वर्तमान में संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषाएँ शामिल हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS link: [Eighth Schedule of the Indian Constitution](#)

Other Authentic and Standard Sources: [Constitutional provisions relating to the Eighth Schedule](#)

3. नमिन्लखित युग्मों पर वचिार कीजयि :

दल	उसके नेता
1. भारतीय जन संघ	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
2. सोशलसि्ट पार्टी	सी. राजगोपालाचारी
3. काँग्रेस फॉर डेमोक्रेसी	जगजीवन राम
4. स्वतंत्र पार्टी	आचार्य नरेंद्र देव

उपर्युक्त में से कतिने सही सुमेलति हैं ?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय जनसंघ की स्थापना वर्ष 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। अतः युग्म 1 सही सुमेलति है।
- जय प्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया और आचार्य नरेंद्र देव सोशलसि्ट पार्टी के प्रमुख नेता थे। अतः युग्म 2 सही सुमेलति नहीं है।
- काँग्रेस फॉर डेमोक्रेसी (CFD) एक भारतीय राजनीतिक पार्टी थी जिसकी स्थापना वर्ष 1977 में जगजीवन राम ने की थी। अतः युग्म 3 सही सुमेलति है।
- स्वतंत्र पार्टी की स्थापना वर्ष 1959 में काँग्रेस सरकार की समाजवादी नीतियों का वरिोध करने वाले नेताओं द्वारा की गई थी। सी. राजगोपालाचारी, मीनू मसानी और एन. जी. रंगा सहति उस समय के कुछ प्रमुख नेताओं ने एक उदार-रूढ़िवादी पार्टी बनाने के लयि सहयोग किया। पार्टी बाजार आधारति अर्थव्यवस्था और लाइसेंस राज को समाप्त करने का उद्देश्य रखती है। अतः युग्म 4 सही सुमेलति नहीं है।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source:

Drishti IAS link:

- The Socialist Party: [Jayaprakash Narayan and Nanaji Deshmukh Jayanti](#)
- Swatantra Party: [C Rajagopalachari](#)

Other Authentic and Standard Sources:

- Bharatiya Jana Sangh: [HISTORY AND DEVELOPMENT OF BHARATIYA JANATA PARTY](#)
- The Socialist Party: [History](#)

- The Congress for Democracy (CFD): [NATIONAL POLITICAL PARTIES](#)
- Swatantra Part: [Swatantra party's history reiterates importance of strong Opposition in society, says author Aditya Balasubramanian - The Hindu](#)

4. भारत के संवधान के संबंध में नमिनलखिति कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. नगरपालिकाओं की शक्तियों संवधान के भाग 9-क में दी गई हैं।
2. आपात उपबंध संवधान के भाग 18 में दिये गए हैं।
3. संवधान के संशोधन से संबंधित उपबंध संवधान के भाग 20 में दिये गए हैं।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संवधान के भाग 9-क को संवधान (चौहत्तरवाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 द्वारा सम्मलित किया गया था। इसमें नगरीय स्तर पर स्थानीय स्वशासन अथवा नगर पालिकाओं संबंधी प्रावधान किये गए हैं। अतः कथन 1 सही है।
- संवधान के भाग 18 में राष्ट्रीय, राज्य और वित्तीय आपात स्थितियों सहित आपात उपबंधों के लिये प्रावधान हैं। अतः कथन 2 सही है।
- संवधान के भाग 20 में अनुच्छेद 368 संवधान और उसके उपबंधों में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि संसद इस उद्देश्य के लिये निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किसी भी प्रावधान को जोड़ने, बदलने या नरिस्त करने के माध्यम से संवधान में संशोधन कर सकती है। अतः कथन 3 सही है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

Drishti IAS link:

- Part IXA of the Constitution: [Municipal Corporation \(Amendment\) Bill 2022](#).
- Part XVIII of the Constitution: [Emergency Provisions](#)
- Part XX of the Constitution: [Procedure of Amendment](#)

Other Authentic and Standard Sources:

- Part IXA of the Constitution: [Part IXA Archives - Constitution of India](#)
- Part XVIII of the Constitution: [Part XVIII Archives - Constitution of India](#).
- Part XX of the Constitution: [Article 368: Power of Parliament to amend the Constitution and procedure therefor](#)

5. भारत के संवधान के अनुसार नमिनलखिति में से कौन-सा कथन सही है?

- (a) अंतरराज्यीय व्यापार और वाणज्य राज्य सूची के अधीन एक राज्य वषिय है।
- (b) अंतरराज्यीय प्रवासन राज्य सूची के अधीन एक राज्य वषिय है।
- (c) अंतरराज्यीय संगरोध संघ सूची के अधीन एक संघ वषिय है।
- (d) नगिम कर राज्य सूची के अधीन एक राज्य वषिय है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

संविधान की सातवीं अनुसूची में तीन सूचियाँ हैं जो केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति का वितरण करती हैं (अनुच्छेद 246)

- संघ सूची में 98 वषिय (मूल रूप से 97) हैं, जिन पर संसद को वधि निर्माण की वशिष शक्ति है।
- राज्य सूची में 59 वषिय (मूल रूप से 66) हैं जिन पर अकेले राज्य वधि निर्माण कर सकते हैं।
- समवर्ती सूची में 52 वषिय (मूल रूप से 47) हैं जिन पर केंद्र और राज्य दोनों वधि निर्माण कर सकते हैं।

संघ सूची के तहत वषियों का वर्गीकरण:

संघ सूची:

- अंतरराज्यीय व्यापार एवं वाणजिय, संघ सूची के अधीन एक वषिय है। अतः कथन (a) सही नहीं है।
- अंतरराज्यीय प्रवासन, संघ सूची के अधीन एक वषिय है। अतः कथन (b) सही नहीं है।
- अंतरराज्यीय संगरोध, संघ सूची के अधीन एक वषिय है। अतः कथन (c) सही है।
- नगिम कर, संघ सूची के अधीन एक वषिय है। अतः कथन (d) सही नहीं है।

प्रवेश संख्या	सूची	वषिय
42	संघ	अंतरराज्यीय व्यापार एवं वाणजिय
81	संघ	अंतरराज्यीय प्रवासन संघ सूची
81	संघ	अंतरराज्यीय संगरोध
85	संघ	नगिम कर

Source:

- **Drishti IAS link: Not available**
- Other Authentic and Standard Sources:
 - Laxmikant (Edition 6: page no 1355)
 - <https://www.constitutionofindia.net/schedules/list-i-union-list>
 - <https://www.mea.gov.in/Images/pdf1/S7.pdf>

6. भारत के उच्चतम न्यायालय ने नजिता के अधिकार को भारत के संविधान के नमिनलखिति में से कसि अनुच्छेद के अंतरगत रखा है?

- अनुच्छेद 15
- अनुच्छेद 16
- अनुच्छेद 19
- अनुच्छेद 21

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2017 में **के. एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ** के ऐतिहासिक नरिणय में गोपनीयता और इसके महत्त्व का वर्णन करते हुए उल्लखिति कयिा था कि नजिता का अधिकार **मौलिक एवं अवभाज्य** है तथा यह व्यक्ता से जुड़ा हुआ है, जसिमें उस व्यक्ता एवं उसके द्वारा चुने गए वकिलपों के संदर्भ में सभी जानकारी शामिल है। **अनुच्छेद 21** के अंतरगत जीवन एवं व्यक्तागत स्वतंत्रता के अधिकार के आंतरिक भाग के रूप में नजिता के अधिकार को संरक्षति कयिा गया है।

अतः वकिलप (d) सही है।

Source:

- **Drishti IAS link:** <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/right-to-privacy-3>
- Other Authentic and Standard Sources: [Right to Privacy as a fundamental Right](#)

7. सैन्य कार्य वभाग के प्रमुख के रूप में चीफ ऑफ डफिंस स्टाफ (CDS) के कर्तव्य कौन-से हैं?

1. चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष
2. तीनों सेवा प्रधानों (सर्वसि चीफ) पर सैन्य कमान का प्रयोग करना
3. सभी तीनों सेवाओं (ट्राइ-सर्वसि) के वषियों पर रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

- (a) 1, 2 और 3
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

चीफ ऑफ डफिंस स्टाफ (CDS)

- इस पद का के सृजन की सफारिश वर्ष 2001 में मंत्रियों के एक समूह (GoM) द्वारा की गई थी जिसि कारगलि समीक्षा समिति (1999) की रिपोर्ट का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था।
- CDS का पद भी लेफ्टिनेंट जनरल D.B. शेकटकर (retd.) की अध्यक्षता वाली शेकटकर समितिकी सफारिश पर स्थापति किया गया था।

चीफ ऑफ डफिंस स्टाफ (CDS) के कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों में शामिल हैं:

- चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष के रूप में कार्य करना। अतः कथन 1 सही है।
- हालाँकि CDS तीनों सेवा प्रधानों पर कसिी सैन्य कमान का प्रयोग नहीं करेगा लेकिन वह संयुक्त अभियानों में इनके बीच समन्वय सुनिश्चति करेगा। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- तीनों सेवाओं (ट्राइ-सर्वसि) के मामलों पर माननीय रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करना। अतः कथन 3 सही है।
- तीनों सेवाओं (ट्राइ-सर्वसि) के संगठनों/एजेंसियों/कमानों का प्रशासन करना।
- माननीय रक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली रक्षा अधगिरहण परिषद का सदस्य होना।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

- Drishti IAS Link: [Role of the Chief of Defence Staff](#)
- Other Authentic and Standard Sources:
 - [Chief of Defence Staff Page no. 6](#)
 - [Functions of Chief of Defence Staff \(CDS\)](#)

8. मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने सहति दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय जन-समुदाय के उत्थान के लिये सेना द्वारा संचालति अभियान (ऑपरेशन) को क्या कहा जाता है?

- (a) ऑपरेशन संकल्प
- (b) ऑपरेशन मैत्री
- (c) ऑपरेशन सद्भावना
- (d) ऑपरेशन मदद

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- "ऑपरेशन सद्भावना" भारतीय सेना की एक मानवीय पहल है जिसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय जन-समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार कर उनका उत्थान करना है।
- वदियालयों का संचालन करने, बुनियादी अवसंरचना का विकास करने एवं राष्ट्रीय एकीकरण यात्राओं को बढ़ावा देने सहति वभिन्न कल्याणकारी

गतविधियों के माध्यम से भारतीय सेना का उद्देश्य स्थानीय आबादी का सशक्तीकरण करना, रोजगार के अवसर प्रदान करना तथा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करना एवं इस प्रकार राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में योगदान करना है।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

- **Drishti IAS Link:** [Rapid Fire Current Affairs](#)
- **Other Authentic and Standard Sources:** [operation sadbhavana in ladakh](#)

9. विश्व में कनिहीं दो देशों के मध्य सबसे लंबी सीमा नमिनलखिति में से कनिके मध्य है?

- (a) कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका
(b) चिली और अर्जेंटीना
(c) चीन और भारत
(d) कजाखस्तान और रशियन फेडरेशन

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं, जो 8,890 किलोमीटर तक वसित है। अतः विकल्प (a) सही है।
 - इसकी तुलना में, रूस-कजाखस्तान सीमा 6,846 किलोमीटर लंबी है और चिली-अर्जेंटीना सीमा 5,308 किलोमीटर लंबी है।
- भारत, चीन के साथ 3488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है जो भारत के जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिकिम एवं अरुणाचल प्रदेश राज्यों से स्पर्श होती है।

Source:

- **Drishti IAS Link:** [Face-off Between India and China](#)
- Other Authentic and Standard Sources: [International perspective](#)
 - [MANAGEMENT OF INDO-CHINA BORDER India shares 3488 Km of border with China that runs along the States of Jammu & Kashmir, Hi](#)

10. लोकसभा में आचार समिति के संबंध में, नमिनलखिति कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. प्रारंभ में यह एक तदर्थ समिति थी।
2. केवल कोई लोकसभा का सदस्य ही किसी लोकसभा सदस्य के अनैतिक आचरण से संबंधित शिकायत कर सकता है।
3. यह समिति किसी ऐसे मामले पर विचार नहीं कर सकती जो न्यायाधीन है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **आचार समिति का परिचय:**
 - इस समिति का गठन वर्ष 1997 में राज्यसभा में और 2000 में लोकसभा में किया गया था। यह संसद के सदस्यों के लिये आचरण संहिता को

लागू करती है। यह कदाचार के मामलों की जाँच करती है एवं उचित कार्रवाई की सफ़ारिश करती है। इस प्रकार, यह संसद में अनुशासन व शिष्टाचार बनाए रखने का कार्य करती है।

• यह एकमात्र समिति है जो लोकसभा के सांसदों के खिलाफ नागरिकों की शिकायतों की जाँच करती है।

■ **लोकसभा में आचार समिति का इतिहास:**

• लोकसभा के मामले में, सदन की विशेषाधिकार समिति के एक अध्ययन समूह ने वर्ष 1997 में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका का दौरा करने के बाद विधिनिरमाताओं के आचरण और नैतिकता से संबंधित प्रथाओं की संवीक्षा के लिये एक आचार समिति के गठन की सफ़ारिश की, लेकिन इसे लोकसभा द्वारा स्वीकार नहीं किया गया।

• विशेषाधिकार समिति ने अंततः 13वीं लोकसभा के दौरान एक आचार समिति के गठन की सफ़ारिश की। स्वर्गीय अध्यक्ष जी. एम. सी. बालयोगी ने वर्ष 2000 में एक तदर्थ आचार समिति का गठन किया, जो वर्ष 2015 में ही सदन का स्थायी हिस्सा बन गई। **अतः कथन 1 सही है।**

■ **शिकायतों के लिये प्रक्रिया:**

• शुरू में, आचार समिति के नियमों के तहत एक प्रावधान था जो किसी भी भारतीय नागरिक को एक विधिनिरमाता के खिलाफ शिकायत दर्ज़ करने की अनुमति देता था।

• लेकिन, वर्ष 2014 में, एक उप-समिति ने सुझाव दिया कि इस तरह का प्रावधान किसी भी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को कमजोर आधार पर एक विधिनिरमाता के खिलाफ शिकायत दर्ज़ करने की अनुमति देगा। इसके बाद नियम को संशोधित कर प्रावधान किया गया कि शिकायत एक विधिनिरमाता के माध्यम से ही प्रस्तुत की जा सकती थी।

• तब तक, कोई भी व्यक्ति किसी अन्य लोकसभा सांसद के माध्यम से किसी सदस्य के खिलाफ शिकायत कर सकता है, साथ ही कथित कदाचार के साक्ष्य और एक हलफनामा जिसमें कहा गया है कि शिकायत "मथियापूरण, नरिंथक या परेशान करने वाली" नहीं है। यदि सदस्य स्वयं शिकायत करता है, तो शपथ पत्र की आवश्यकता नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

• हालाँकि, समिति केवल मीडिया रिपोर्टों या वर्तमान में न्यायिक समीक्षा के तहत मामलों के आधार पर शिकायतों पर विचार नहीं करती है। **अतः कथन 3 सही है।**

अतः विकल्प (c) सही है।

11. डॉ. राजेंद्र प्रसाद के कार्यभार संभालने से पहले संविधान सभा के अस्थायी सभापति कौन थे?

- (a) सी. राजगोपालाचारी
(b) डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(c) टी.टी. कृष्णामाचारी
(d) डॉ. सच्चिदानंद सनिहा

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर, 1946 को आहूत की गई, जिसमें मुस्लिम लीग ने अलग राज्य पाकिस्तान की मांग करते हुए सत्र का बहिष्कार किया।
- परिणामस्वरूप, केवल 211 सदस्य ही उपस्थित हुए। फ्राँसीसी परंपरा का पालन करते हुए सबसे बुजुर्ग सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सनिहा को संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। **अतः विकल्प (d) सही है।**
- इसके बाद संविधान सभा द्वारा डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा एच.सी. मुखर्जी एवं वी.टी. कृष्णामाचारी को उपाध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया।

Source:

- **Drishti IAS Link:** [Prelims Practice Series Indian Polity & Governance Page no. 1](#)
■ **Other Authentic and Standard Sources:** M Laxmikanth, 6th edition, Page no. 68

12. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. इसमें ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और देशी रियासतों को मिलाकर एक अखिल भारतीय परसिंध (फेडरेशन) की स्थापना का प्रावधान किया गया।
2. रक्षा और विदेश संबंधी मामलों को परसिंधीय विधानमंडल के नियंत्रण के अधीन रखा गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारत सरकार अधिनियम (1935):

- इसने एक अखिल भारतीय परसिंघ (फेडरेशन) की स्थापना का प्रावधान किया जिसमें भारतीय प्रांतों एवं देशी रियासतों को इकाइयों के रूप में शामिल किया गया। अतः कथन 1 सही है।
 - इसने ग्यारह में से छह प्रांतों में द्वासिदनात्मक व्यवस्था लागू की।
- भारत सरकार अधिनियम (1935) ने वषियों को तीन सूचियों में वर्गीकृत किया: केंद्रीय सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।
 - संघीय (केंद्रीय) सूची में राष्ट्रीय महत्त्व के 59 वषिय शामिल थे, जिनमें रक्षा, वदेशी मामले, वतित, रेलवे, मुद्रा एवं प्रेस आदि संबंधी वषिय शामिल थे। अतः कथन 2 सही है।
 - कषेत्रीय महत्त्व के 54 वषियों को राज्य सूची में शामिल किया गया जनिमे शक्तिषा, चकितिसा, कृषि, कानून और व्यवस्था तथा स्थानीय सरकारें शामिल थी।
 - समवर्ती सूची में बजिली, वविाह, तलाक, शर्म एवं आपराधकि कानून जैसे 36 वषिय शामिल थे।
 - शेष वषियों को अवशषिट शक्तियों के अंतरगत गवरनर-जनरल को सौंप दिया गया था।

अतः वकिलप (c) सही है।

Source:

- Drishti IAS Link: [Important Sources of the Indian Constitution](#)
- Other Authentic and Standard Sources: [GOVERNMENT OF INDIA ACT 1935](#), [Government of India Act, 1935](#).

13. नमिनलखिति में से कौन-सी नाटककार भास की रचना है?

- (a) काव्यालंकार
(b) नाट्यशास्त्र
(c) मध्यम-व्यायोगः
(d) महाभाष्य

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भास (Bhasa) पहले ज्ञात संस्कृत नाटककार थे और अब तक उनके कई पूर्ण नाटकों की खोज की जा चुकी है। उन्होंने महाभारत के प्रसंगों पर आधारित 5 नाटक लिखे जैसे मध्यम-व्यायोग, पंचरात्र, दूत वाक्यम, दूत घटोत्कचम, करणभरम, उरुभंगम। अतः वकिलप (c) सही है।
- भामह संभवतः 7वीं शताब्दी के वदिवान थे जनिहोंने संस्कृत काव्यशास्त्र पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने संस्कृत ग्रंथ काव्यालंकार की रचना की थी और वह दंडनि के समकालीन थे।
- भरत द्वारा नाट्यशास्त्र में प्रदर्शन, अभिनय, भाव-भंगमिाएँ, मंच नरिदेशन और अभिनय से संबंधित नियमों का वर्णन किया गया है।
- महाभाष्य की रचना पतंजलि (दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व) ने की थी। यह पाणिनिके ग्रंथ अष्टाध्यायी और कात्यायन की वार्तकि से संस्कृत व्याकरण के चुनदि नियमों पर एक टपिपणी है।

Source:- A History of Ancient and Early Medieval India (From Stone Age to the 12th Century) Chapter 9 (Aesthetics and Empire, c. 300-600CE) Page no. 537

14. संघभूत एक भारतीय बौद्ध भकिषु, जनिहोंने चौथी शताब्दी ईसवी के अंत में चीन की यात्रा की, नमिनलखिति में से कसि पर भाष्य के लेखक थे ?

- (a) प्रज्ञापारामिता सूत्र
- (b) वसिद्धमिगगो
- (c) सर्वास्तविद वनिय
- (d) ललतिवस्तिर

उत्तर: (c)

व्याख्या:

सर्वास्तविद वनिय:

- संपूर्ण सर्वास्तविद वनिय चीनी बौद्ध धर्मग्रंथ में वदियमान है।
- अपने प्रारंभिक इतिहास में, सर्वास्तविद वनिय चीन में सर्वसामान्य वनिय परंपरा थी।
- संघभूत सर्वास्तविद वनिय पर भाष्य के लेखक थे। अतः विकल्प (c) सही है।

प्रज्ञापारामिता सूत्र:

- प्रज्ञापारामिता सूत्र महायान सूत्रों में सबसे पुराने हैं और साथ ही महायान बौद्ध दर्शन की नींव भी हैं।
- ये दुर्लभ ग्रंथ बौद्ध धर्मग्रंथों के साथ-साथ चीनी एवं तिब्बती धर्मग्रंथों दोनों में पाए जाते हैं।

वसिद्धमिगगो:

- वसिद्धमिगगो, थेरवाद बौद्ध धर्म के महावहार शाखा की शिक्षा का एक विश्वकोश होने के साथ ही उत्कृष्ट सारांश एवं व्याख्या है।
- इसे महान बौद्ध टीकाकार बुद्धघोष ने 5वीं शताब्दी में श्रीलंका के राजा महानामा के शासनकाल के दौरान लिखा था।

ललतिवस्तिर:

- ललतिवस्तिर एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण संस्कृत बौद्ध ग्रंथ है। यह बुद्ध की जीवनी होने के साथ-साथ मूल रूप से हीनयान संप्रदाय के सर्वास्तविद संप्रदाय का ग्रंथ है।
- यह ईसाई युग की प्रारंभिक शताब्दियों के दौरान भारत के सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास पर भी प्रकाश डालता है।
- ललतिवस्तिर एक एकीकृत ग्रंथ नहीं है और न ही यह किसी एक लेखक की रचना है।

Source:- मध्य एशिया तथा चीन में भारतीय संस्कृति (सत्यकेतु वदियालंकार) Page no. 176 and 177

15. यूनेस्को (UNESCO) द्वारा जारी विश्व धरोहर सूची में शामिल की गई नमिनलखित संपत्तियों पर विचार कीजिये :

1. शांतनिकितन
2. रानी-की-वाव
3. होयसला के पवित्र मंदिर समूह
4. बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर

उपर्युक्त में से कतिनी संपत्तियों को वर्ष 2023 में शामिल किया गया?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

शांतनिकितन: पश्चिम बंगाल

- रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित शांतनिकितन एक आवासीय विद्यालय के साथ-साथ प्राचीन भारतीय परंपराओं तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक सीमाओं से परे मानवता की एकता की दृष्टि पर आधारित कला का केंद्र था।

- शांतिनिकेतन को वर्ष 2023 में यूनेस्को द्वारा भारत के 41वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। अतः कथन (1) सही है।

रानी-की-वाव:गुजरात

- सरस्वती नदी के तट पर स्थिति रानी-की-वाव का निर्माण 11वीं शताब्दी में एक राजा की स्मृति में कराया गया था।
- रानी-की-वाव को वर्ष 2014 में यूनेस्को द्वारा भारत के 32वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। कथन (2) सही नहीं है।

होयसल पवतिर मंदिर समूह:कर्नाटक

- इसमें दक्षिण भारत में 12वीं से 13वीं शताब्दी के होयसल शैली के मंदिर परिसरों के प्रतिनिधि उदाहरण शामिल हैं।
- होयसल शैली के मंदिर परिसरों को यूनेस्को द्वारा वर्ष 2023 में भारत के 42वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। अतः कथन (3) सही है।

महाबोधिमंदिर परिसर:बोधगया

- महाबोधिमंदिर परिसर भगवान बुद्ध के जीवन एवं विशेष रूप से ज्ञान प्राप्ति से संबंधित चार पवतिर स्थलों में से एक है।
- महाबोधिमंदिर परिसर को वर्ष 2002 में यूनेस्को द्वारा भारत के 23वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। अतः कथन (4) सही नहीं है।

अतः विकल्प (b) सही है।

- Drishti IAS link:- [Santiniketan Becomes India's 41st World Heritage Site](#)
 - [Hoysala Temples Now India's 42nd World Heritage Site](#)
- Source:- [India - UNESCO World Heritage Convention](#),
 - [Rani ki Vav, Patan | Patan, Gujarat, India](#)

16. भारत के संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, संसद निम्नलिखित में से कनिके द्वारा संविधान के किसी उपबंध में संशोधन कर सकेगी?

1. परिवर्धन
2. परिवर्तन
3. नरिसन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संविधान के भाग XX में अनुच्छेद 368 संविधान एवं इसकी प्रक्रियाओं में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि संसद इस उद्देश्य के लिये निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी प्रावधान के परिवर्धन, परिवर्तन या नरिसन के माध्यम से संविधान में संशोधन कर सकती है।
- संसद संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर सकती है, लेकिन इसके 'मूल ढाँचे' को नष्ट नहीं कर सकती। केशवानंद भारती वाद (1973) में सर्वोच्च न्यायालय ने यह नरिणय दिया गया था।

अतः विकल्प (d) सही है।

Drishti IAS link:- [Procedure of Amendment](#)

Other Source: [PART XX AMENDMENT OF THE CONSTITUTION](#)

17. नमिनलखिति देशों पर वचिर कीजयि :

1. इटली
2. जापान
3. नाइजीरयि
4. दक्षणि कोरयि
5. दक्षणि अफ्रीका

उपरयुक्त में से कनि देशों का उल्लेख प्रायः मीडियि में उनकी नमिन जन्म दर, अथवा वृद्धोनमुख जनसंख्या अथवा ह्रासमान जनसंख्या के लयि कयि जाता है?

- (a) 1, 2 और 4
- (b) 1, 3 और 5
- (c) केवल 2 और 4
- (d) केवल 3 और 5

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हाल ही में **इटली, जापान तथा दक्षणि कोरयि** का उल्लेख मीडियि में उनकी नमिन जन्म दर, वृद्धोनमुख जनसंख्या या ह्रासमान जनसंख्या के लयि कयि गया है।
- दक्षणि कोरयि की **प्रजनन दर वशिव में सबसे कम** है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2021 में चेतावनी दी थी कि दक्षणि कोरयि वर्ष **2100 तक अपनी जनसंख्या को आधा करने** की राह पर है। **अतः बढि 4 सही है।**
- **जापान लगातार आठवें वर्ष, रकिॉरड नमिन जन्म दर** के साथ प्रमुख जनसांख्यिकीय चुनौती का सामना कर रहा है। वर्ष 2024 में जापान की वर्तमान प्रजनन दर प्रती महिला 1.374 जन्म है।
 - स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रालय के सबसे हालियि आँकड़ों से चतिजनक गरिवट का पता चला है। **इसके अनुसार वर्ष 2023 में केवल 7,58,631 बच्चों का जन्म हुआ, जो पछिले वर्ष से 5.1 प्रतशित की कमी** को दर्शाता है और साथ ही यह वर्ष 1899 में सांख्यिकीय रकिॉरड प्रारंभ होने के बाद से सबसे नमिन बढि/स्तर को दर्शाता है। **अतः बढि 2 सही है।**
- **इटली की जन्म दर वर्ष 2023 में रकिॉरड नचिले स्तर पर आ गई, जो लगातार 15वीं वार्षकि गरिवट** है। यहाँ प्रजनन दर गरिकर प्रती महिला 1.20 बच्चे रह गई, जो स्थरि जनसंख्या के लयि आवश्यक 2.1 की दर से बहुत कम है। **अतः बढि 1 सही है।**
 - इटली में वगित वर्ष 3,79,000 बच्चों का जन्म हुआ। यह आँकड़ा वर्ष 2022 से 3.6% कम और वर्ष 2008 से 34.2% कम है।
- **दक्षणि अफ्रीका में महिलाएँ अपने जीवनकाल में औसतन 2.33 बच्चों को जन्म देती हैं।** हालाँकि यह दर कम हो रही है, फरि भी यहाँ जनसंख्या में वृद्धि जारी है।
 - दक्षणि अफ्रीका में कामकाजी उमर की जनसंख्या में कमी आने की कोई आशंका नहीं है, जबकि यहाँ कई उच्च आय वाले देश हैं। फरि भी जनसंख्या संरचना के अनुमानों से पता चलता है कि यहाँ वरषिठ नागरिकों की संख्या में वृद्धि होगी।
 - वर्ष 2022 के अनुसार, **दक्षणि अफ्रीका की जनसंख्या में वृद्ध नागरिकों की हसिसेदारी 5.9% है।** इस प्रकार, वहाँ की जनसंख्या अभी वृद्ध नहीं हुई है। **अतः बढि 5 सही नहीं है।**
- **नाइजीरयि, अफ्रीका का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक आबादी वाला देश** है और साथ ही यह वशिव का सातवाँ सबसे बड़ा देश भी है। वर्तमान में इसकी जनसंख्या 215 मलियिन है।
 - इस देश की जनसंख्या वृद्धि दर लगातार उच्च रही है, जो 1960 के दशक से लगातार 2% से अधिक रही है। वशिव बैंक के अनुसार, वर्तमान में जनसंख्या वृद्धि दर 2.41% है। **अतः बढि 3 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही है।

Top 15 Countries with the Lowest Fertility Rates (by births per woman) - World Bank

Country	Fertility Rate ^
Taiwan	1.09
South Korea	1.11
Singapore	1.17
Ukraine	1.22
Hong Kong	1.23
Macau	1.23
Italy	1.24
Moldova	1.25
Puerto Rico	1.25
Spain	1.29

//

Source:-

- [With life expectancy increasing, here's how 4 countries are addressing their ageing populations.](#)
- South Korea: <https://time.com/6835865/south-korea-fertility-rate-2023-record-low/>
- Japan: [Why is Japan grappling with record-low birth rates? Here's what the govt said - The Economic Times](#)
- Italy: [Births fall in Italy for 15th year running to record low | Reuters](#)
- South Africa: [South Africa's ageing population comes with new challenges. How best to adapt to them](#)
 - [South African households are changing as birth rates come down](#)
 - [Declining fertility rates will transform global economy, report says](#)
- Nigeria: [Unsustainable Demographics In Nigeria](#)
- <https://worldpopulationreview.com/country-rankings/total-fertility-rate>

18. संसद में धन वधियक के संबंध में नमिनलखिति कथनों में से कौन-से सही हैं ?

1. अनुच्छेद 109 में धन वधियक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का उल्लेख है ।
2. धन वधियक राज्यसभा में पुरःस्थापति नहीं कथिा जाएगा ।
3. राज्यसभा या तो वधियक को अनुमोदन दे सकती है या परविरतन के लथि सुझाव दे सकती है कतिु इसे अस्वीकार नहीं कर सकती ।
4. राज्यसभा द्वारा धन वधियक में सुझाए गए संशोधन को लोकसभा द्वारा स्वीकार करना होगा ।

नीचे दथि गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनथि :

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संवधान के अनुच्छेद 109 में धन वधियक के संबंध में एक वशिष प्रक्रिया का उल्लेख कया गया है। अतः कथन 1 सही है।
- धन वधियक को केवल लोकसभा में प्रस्तुत कया जाना चाहयि तथा उसे राज्यसभा (राज्य परषिद) में प्रस्तुत नहीं कया जा सकता अतः कथन 2 सही है।
- राज्यसभा कसीी धन वधियक पर केवल सफारशैं कर सकती है लेकनि उसमें संशोधन अथवा अस्वीकार करने की शकत उसके पास नहीं है अतः कथन 3 सही है।
- राज्यसभा द्वारा धन वधियक में प्रस्तावति संशोधन, जसि लोकसभा चाहे तो अस्वीकार कर सकती है। अतः कथन 4 सही नहीं है।

अतः वकिल्प (c) सही है।

19. नमिनलखिति में से कौन-सा/कौन-से, भारतीय सशस्त्र सेना की तीनों सेवाओं में समकक्ष रैंक के संदर्भ में सही सुमेलति है/हैं?

	थल सेना	वायु सेना	नौसेना
1.	ब्रिगिडियर	एयर कर्मांडोर	कर्मांडोर
2.	मेजर जनरल	एयर वाइस मार्शल	वाइस एडमरिल
3.	मेजर	स्कवाड्रन लीडर	लेफ्टनिंट कर्मांडोर
4.	लेफ्टनिंट कर्नल	ग्रुप कैप्टन	कैप्टन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि :

- (a) 1 और 4
- (b) 1 और 3
- (c) 2, 3 और 4
- (d) केवल 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना भारत की प्राथमकि रक्षा सेवाएँ हैं। उन्हें उनके असाधारण संगठन, संरचना, सैन्य तैयारयिों एवं अनुशासन के लयि जाना जाता है, जो खतरों के साथ-साथ प्राकृतकि या मानव नरिमति आपदाओं का कुशलतापूर्वक प्रतित्तर देने में सक्षम हैं। इन सशस्त्र बलों में कमीशंड अधिकारी एवं गैर-कमीशंड कार्मकि समकक्ष रैंक रखते हैं, साथ ही इन्हें अतरिकित मानद रैंक भी प्रदान की जाती है।

	थल सेना	वायु सेना	नौसेना
1.	ब्रिगिडियर	एयर कर्मांडोर	कर्मांडोर
2.	मेजर जनरल	एयर वाइस मार्शल	रियर एडमरिल
3.	मेजर	स्कवाड्रन लीडर	लेफ्टनिंट कर्मांडोर
4.	लेफ्टनिंट कर्नल	ब्रिगि कर्मांडोर	कर्मांडोर

अतः वकिल्प (d) सही है।

Source: <https://vishwabharatigurukul.com/equivalent-ranks-indian-armed-forces/>

20. पूर्वोत्तर परषिद (NEC) की स्थापना पूर्वोत्तर परषिद अधनियिम, 1971 द्वारा की गई थी। वर्ष 2002 में NEC अधनियिम में संशोधन के बाद, परषिद में नमिनलखिति में से कनि-कनि सदस्यों को शामिल कया गया है?

- 1. संघटक राज्य का राज्यपाल
- 2. संघटक राज्य का मुख्यमंत्री
- 3. भारत के राष्ट्रपति द्वारा नामनरिदषिट तीन सदस्य
- 4. भारत का गृह मंत्री

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि :

- (a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: A

व्याख्या:-

- पूर्वोत्तर परषिद (संशोधन) अधिनियम, 2002 के अनुसार, परषिद की संरचना इस प्रकार होगी:
 - राज्यों के राज्यपाल का पद धारण करने वाला व्यक्ति या व्यक्तियों
 - अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मजोरम, नागालैंड सकिक्मि और त्रिपुरा राज्यों के मुख्यमंत्री;
 - राष्ट्रपति द्वारा नामित किये जाने वाले तीन सदस्य
 - राष्ट्रपति परषिद के अध्यक्ष को नामित करेंगे

अतः विकल्प A सही है।

Source:

- <https://necouncil.gov.in/about-us/nec-amendment-act-2002-0>
- <https://necouncil.gov.in/sites/default/files/about-us/Amendment%20Act%202002.pdf>

21. 'नारी शक्ति विंदन अधिनियम' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. ये उपबंध 18वीं लोकसभा से प्रभावी होंगे।
2. अधिनियम बनने के बाद यह 15 वर्षों के लिये प्रवर्तन में रहेगा।
3. इसमें अनुसूचित जातियों के लिये आरक्षण कोटे के भीतर अनुसूचित जातियों की महिलाओं के लिये स्थानों के आरक्षण के उपबंध हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) 1, 2 और 3
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

नारी शक्ति विंदन अधिनियम, 2023

संवधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 लोकसभा, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिये एक तिहाई सीटें आरक्षण करता है, जिनमें अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण सीटें भी शामिल हैं। अतः कथन 3 सही है।

- यह अधिनियम परसिमन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद प्रभावी होगा जो जनगणना होने के बाद ही किया जा सकता है।
- 18वीं लोकसभा के चुनावों के पश्चात् जनगणना एवं परसिमन किया जाएगा तथा उसके बाद ही अधिनियम लागू किया जाएगा। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- आरक्षण अधिनियम के लागू होने के बाद आयोजित जनगणना के प्रकाशन के बाद प्रभावी होगा और साथ ही 15 वर्ष की अवधि तक प्रवर्तन में रहेगा, जिसका संभावित वसितार संसदीय कार्रवाई द्वारा निर्धारित किया जाएगा। अतः कथन 2 सही है।
- यह अधिनियम लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण सीटों पर भी लागू होगा।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

- Drishti IAS Link: [Women Reservation Act, 2023 - Women in Politics](#)

- **Other Source:** [Women's Reservation Bill 2023 \[The Constitution \(One Hundred Twenty-Eighth Amendment\) Bill, 2023\]](#), [Women's reservation Bill will be implemented only after 2029: Amit Shah - The Hindu.](#)

22. 'अभ्यास मत्त्रि शक्त-2023' के संबंध में नमिनलखिति में से कौन-से कथन सही हैं?

1. यह भारत और बांग्लादेश के मध्य संयुक्त सैन्य अभ्यास था ।
2. इसका प्रारंभ औंध (पुणे) में हुआ ।
3. आतंकवाद-वरीधी अभयानों के दौरान संयुक्त प्रतकिरयिा इस अभयान का एक लक्ष्य था ।
4. भारतीय वायुसेना इस अभ्यास का एक हसिसा थी ।

नीचे दयिे गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनयिे :

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 1, 2 और 4
- (c) 1, 3 और 4
- (d) 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

अभ्यास मत्त्रि शक्त- 2023

- भारत एवं श्रीलंका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास "अभ्यास मत्त्रि शक्त- 2023" कानौवाँ संस्करण आयोजति कयिा गया । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- इसकी शुरुआत औंध (पुणे) से हुई । अतः कथन 2 सही है ।
- इस अभ्यास का उद्देश्य आतंकवाद वरीधी अभयानों के दौरान संयुक्त प्रतकिरयिाओं का समनवय करना है । अतः कथन 3 सही है ।
- इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के 15 सैनकिों तथा श्रीलंका वायु सेना के 5 सैनकिों ने भाग लयिा । अतः कथन 4 सही है ।

अतः वकिल्प (d) सही है ।

Source:

- **Drishti IAS Link:** [Rapid Fire Current Affairs](#)
- **Other Source:** [india - sri lanka joint exercise mitra shakti - 2023 commenced today](#)

23. प्रतषिध रटि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालयों द्वारा कसिे और कसिे प्रयोजन से जारी कयिा गया एक आदेश है?

- (a) कसिी सरकारी अधकिारी को, उसे कसिी वशिषिट कार्रवाई करने से प्रतषिध करने के लयिे
- (b) संसद/वधिनसभा को, मद्यनषिध पर कोई वधिा पारति करने के लयिे
- (c) नचिली अदालत को, कसिी मामले में कार्यवाही जारी रखने का प्रतषिध करने के लयिे
- (d) सरकार को, उसे कसिी असंवैधानकि नीतिका अनुपालन करने से प्रतषिध करने के लयिे

उत्तर: (c)

व्याख्या:

रटि: सर्वोच्च न्यायालय (अनुच्छेद 32 के तहत) तथा उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 226 के तहत) बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतषिध, उत्प्रेषण तथा अधकिार-पृच्छा रटि जारी कर सकते हैं । इसके अतरकिक्त, संसद (अनुच्छेद 32 के तहत) कसिी अन्य न्यायालय को ये रटि जारी करने का अधकिार दे सकती है ।

- **प्रतषिध:** प्रतषिध का शाब्दकि अरथ है 'नषिध करना' । यह उच्च न्यायालय द्वारा नचिली अदालत या न्यायाधकिरण को उसके अधकिार क्षेत्त्र से बाहर जाने या उसके अधकिार क्षेत्त्र का अतकिरण करने से रोकने के लयिे जारी कयिा जाता है । इस प्रकार, गतविधिा को नरिदेशति

करने वाले परमादेश के विपरीत, प्रतषिध नषिकरयिता को नरिदेशति करता है।

- प्रतषिध केवल न्यायकि एवं अरुध-न्यायकि प्राधकिारयिों के वरिदुध ही जारी की जा सकती है। यह प्रशासनकि अधकिारयिों, वधियायी नकिारयिों एवं नजिी वयक्तरयिों अथवा नकिारयिों के वरिदुध उपलब्ध नहीं है। अतः वकिल्प (c) सही है।
- प्रतषिध रटि एक वधिकि पद है जिसका अरुध है 'नषिध करना, रोकना, प्रतषिधति करना' और साथ ही इसे 'सुथगन आदेश' के रूप में भी जाना जाता है।

Drishti IAS Link: <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/writs>

Source: [The Writ of Prohibition - Legal Articles - Free Law](#)

24. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयिे :

1. वह राज्य का राज्यपाल है जो उस राज्य के कसिी समुदाय को अनुसूचति जनजातके रूप में मान्यता देता है और घोषति करता है।
2. कसिी राज्य में अनुसूचति जनजातके रूप में घोषति कसिी समुदाय के लयिे यह आवश्यक नहीं है कदूसरे राज्य में भी ऐसा हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुसूचति जनजातयिों की परभाषा:
 - भारतीय संवधिन के अनुच्छेद 366 (25) में नरिधारति कयिा गया है कि अनुसूचति जनजातयिों से तात्पर्य ऐसी जनजातयिों या जनजातीय समुदायों से है जिन्हें संवधिन के अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अनुसूचति जनजातमाना गया है।
 - अनुच्छेद 342(1): कसिी भी राज्य/संघ राज्य कषेत्तर के संबंघ में राष्ट्रपति (राज्य के मामले में राज्यपाल के परामरुश के बाद) उस राज्य/संघ राज्य कषेत्तर में जनजातयिों/आदविसी समुदायों/जनजातयिों के भाग या समूहों/आदविसी समुदायों को अनुसूचति जनजातके रूप में नरिदषिट कर सकते हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- अनुसूचति जनजातयिों की सूची राज्य/संघ राज्य कषेत्तर वशेष के लयिे है और कसिी राज्य में अनुसूचति जनजातके रूप में घोषति समुदाय कोदूसरे राज्य/संघ राज्य कषेत्तर में भी अनुसूचति जनजात घोषति कयिा जाना आवश्यक नहीं है। अतः कथन 2 सही है।

अतः वकिल्प (b) सही है।

25. केंद्रीय बजट (यूनयिन बजट) के संदरुभ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयिे :

1. प्रधानमंतुरी की ओर से केंद्रीय वतित मंतुरी संसद के दोनों सदनों के समकष वारुषकि वतितीय वविरण ररखते हैं।
2. केंद्रीय (यूनयिन) सुतर पर, भारत के राष्ट्रपति की अनुशंसा के बना अनुदानों की माँग नहीं की जा सकती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राष्ट्रपति की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के अनुसार, राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में संसद के दोनों सदनों के समक्ष उस वर्ष के लिये भारत सरकार की प्राककलति प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएगा, जिसे "वार्षिक वित्तीय विवरण" कहा गया है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 113 के अनुसार, संघ स्तर पर भारत के राष्ट्रपति की सफारिश के बिना अनुदान की कोई मांग नहीं की जा सकती। अतः कथन 2 सही है।

Sources:

- <https://indiankanoon.org/doc/280240/>
- <https://indiankanoon.org/doc/10691/>

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/union-budget-2023-24#:~:text=What%20are%20the%20Constitutional%20Provisions%20regarding%20Budget%3F>

26. नमिनलखिति में से कौन “द इंडिया वे (The India Way)” और “व्हाई भारत मैटर्स (Why Bharat Matters)” पुस्तकों के लेखक हैं?

- भूपेंद्र यादव
- नलनि मेहता
- शशाधिरू
- सुब्रह्मण्यम जयशंकर

उत्तर: (d)

व्याख्या:

सुब्रह्मण्यम जयशंकर एक भारतीय राजनयिक और राजनीतिज्ञ हैं जो वर्ष 2019 से भारत सरकार के वदिश मंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

उन्होंने नमिनलखिति पुस्तकें लखी हैं:

- द इंडिया वे: स्ट्रेटेजीज़ फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड (2020)
- व्हाई भारत मैटर्स (2024)

अतः विकल्प (d) सही है।

sources :

- <https://www.atlanticcouncil.org/blogs/southasiasource/christophe-jaffrelot-reviews-the-india-way-strategies-for-an-uncertain-world-by-dr-s-jaishankar/>
- <https://www.claws.in/book-review-why-bharat-matters-by-s-jaishankar/>

Drishti IAS Link: NA

27. नमिनलखिति युगों पर वचिार कीजिये :

देश समाचार में रहने का कारण

1. अर्जेंटीना - सबसे खराब आर्थिक संकट
2. सूडान - देश की नयिमति सेना और अर्धसैनिक बलों के मध्य युद्ध
3. तुर्की - NATO की अपनी सदस्यता नरिस्त कर दी

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलति हैं ?

- (a) केवल एक युग

- (b) केवल दो युगम
- (c) सभी तीन युगम
- (d) कोई युगम नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अर्जेंटीना: विश्व में सर्वाधिक मुद्रास्फीति दर का अनुभव करने वाले देशों में से एक है तथा एक दशक से ज्यादा समय तक आर्थिक स्थिरता एवं बढ़ती नरिधनता के बाद, अर्जेंटीना एक बार पुनः आर्थिक पतन के कगार पर पहुँच गया है। अर्जेंटीना के आर्थिक संकट और चरिकालिक मुद्रास्फीति का मुख्य कारण अत्यधिक सार्वजनिक व्यय है जो कम्बुद्रा नरिमाण द्वारा वतितपोषित है। अतः युगम 1 सही सुमेलति है।
- सूडान: सूडानी सेना और अर्द्धसैनिक बलों के बीच संघर्ष आरंभ होने के बाद से खार्तूम में कम-से-कम 185 लोग मारे गए और 1,800 घायल हो गए। यह संघर्ष अप्रैल 2019 से शुरू हुआ, जब देश भर में वदिरोह के बाद सैन्य जनरलों ने सूडान के लंबे समय तक राष्ट्रपति रहे उमर अल-बशीर को सत्ता से अपदस्थ कर दिया था। अतः युगम 2 सही सुमेलति है।
- तुर्की: तुर्की वर्ष 1952 से नाटो का सदस्य है और अपनी सामरिक स्थिति और सैन्य क्षमताओं के कारण गठबंधन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाता है। तुर्की और अन्य नाटो सदस्यों के बीच वभिन्नि मुद्दों पर तनाव तथा असहमत रिही है, लेकिन तुर्की NATO से बाहर नहीं हुआ है। अतः युगम 3 सही सुमेलति नहीं है।

Sources:

- <https://www.economicsobservatory.com/what-economic-challenges-does-argentina-face-today#:~:text=With%20one%20of%20the%20world's,the%20brink%20of%20economic%20collapse.>
- <https://indianexpress.com/article/explained/explained-global/why-are-sudans-army-and-paramilitary-forces-fighting-each-other-8559862/>
- <https://www.nato.int/nato-welcome/index.html>
- <https://foreignpolicy.com/2023/12/06/turkey-nato-membership-alliance-russia-erdogan-sweden-syria/>

Drishti IAS Link: NA

28. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि :

कथन-I : सुमेड पाइपलाइन यूरोप को जाने वाले फारस की खाड़ी के तेल और प्राकृतिक गैस नौभार (शपिमेंट) के लयि एक रणनीतिक मारग है।

कथन-II: सुमेड पाइपलाइन लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

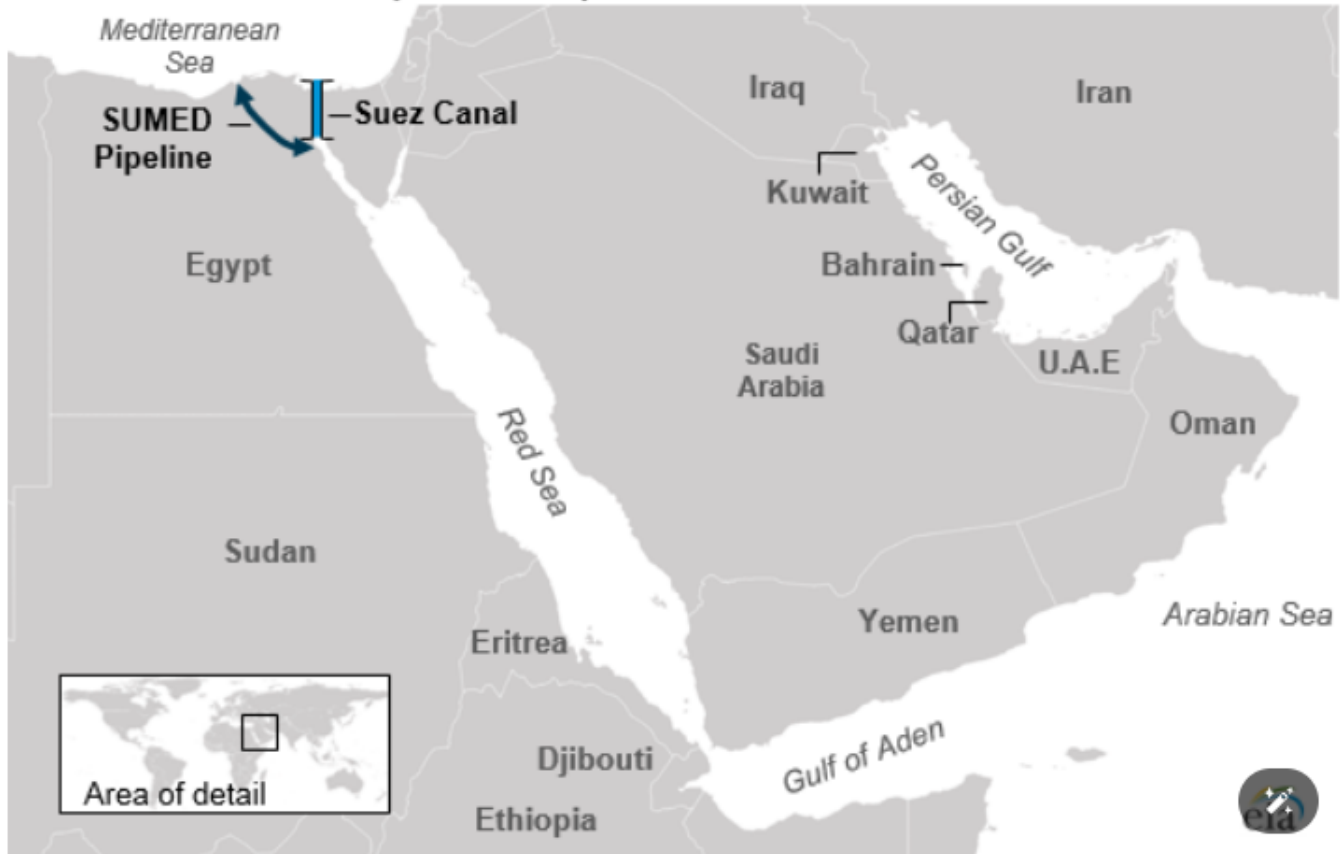
- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?] करता है।
- (c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है।
- (d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- स्वेज़ नहर और सुमेड (SUMED) पाइपलाइन फारस की खाड़ी के कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) नौभार हेतु यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका के लयि रणनीतिक मारग हैं। अतः कथन I सही है।
- स्वेज़ नहर और सुमेड पाइपलाइन मसिर में स्थति हैं और लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ते हैं। अतः कथन II सही है।
- अतः कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II कथन I की व्याख्या करता है। अतः विकल्प A सही है।

Suez Canal and SUMED Pipeline chokepoints



Source: U.S. Energy Information Administration

Sources:

- <https://www.eia.gov/todayinenergy/detail.php?id=40152>

29. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि :

1. लाल सागर में कसिी भी रूप में बहुत कम वरुषण हुता है ।
2. लाल सागर में नदयिों से जल का प्रवेश नही हुता है ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- लाल सागर, मसिर की सवेज नहर से दक्षणि-पूरव की ओर लगभग 1,200 मील (1,930 कमी.) तक बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य तक वसितृत जल की एक संकरा कषेत्र है, जो अदन की खाड़ी एवं फरि अरब सागर से जुड़ता है ।
- लाल सागर कषेत्र में कसिी भी रूप में बहुत कम वरुषण हुता है, हालाँकि प्रारागतहिसाकि कलाकृतयिों से संकेत मलिता है ककिभी यहाँ अधकि मात्रा वरुषण भी हुता था । अतः कथन 1 सही है ।
- लाल सागर में नदयिों से जल का प्रवेश नही हुता है और वरुषण बहुत कम हुता है; लेकनि वाष्पीकरण की कषत-प्रतविरुष 80 इंच से अधकि हुती है जसिका मुखय कारण अदन की खाड़ी से बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पूरवी चैनल के माध्यम से वाला अपवाह है । अतः कथन 2 सही है । 4

Sources:

<https://www.britannica.com/place/Red-Sea>

Drishti IAS Link: <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/red-sea-1>

30. पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) के अनुसार, नमिनलखिति में से कौन-सा, सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जनों का सबसे बड़ा स्रोत है?

- (a) जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने वाले रेल इंजन (लोकोमोटिव)
(b) जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने वाले जहाज़
(c) अयस्क से धातुओं का नषिकर्षण
(d) जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने वाले वदियुत संयंत्र

उत्तर: (d)

व्याख्या:

वायुमंडल में SO₂ का सबसे बड़ा स्रोत वदियुत संयंत्रों और अन्य औद्योगिक सुवधियों द्वारा जीवाश्म ईंधन का दहन है। SO₂ उत्सर्जन के छोटे स्रोतों में शामिल हैं: अयस्क से धातु नषिकर्षण जैसी औद्योगिक प्रक्रियाएँ; ज्वालामुखी जैसे प्राकृतिक स्रोत तथा रेल इंजन, जहाज़ व अन्य वाहन एवं भारी उपकरण जो उच्च सल्फर सामग्री वाले ईंधन का दहन करते हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

Sources:

<https://www.epa.gov/so2-pollution/sulfur-dioxide-basics>

31. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये:

कथन-I : यद संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) अपने ऋण पर चूक करता है, तो US ट्रेजरी बॉण्डों के धारक भुगतान प्राप्त करने के लिये अपने दावों का प्रयोग नहीं कर पाएँगे।

कथन-II : USA सरकार का ऋण कोई मूरत (हार्ड) परसिपत्तियों द्वारा समर्थति नहीं है, बल्कि केवल सरकार के वशिवास से समर्थति है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?] करता है
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- यद संयुक्त राज्य अमेरिका अपने ऋण पर चूक करता है, तो उस स्थिति में भी अमेरिकी ट्रेजरी बॉण्डों के धारकों को भुगतान प्राप्त करने के लिये अपने दावों का प्रयोग करने का वधिक अधिकार होगा। **अतः कथन I सही नहीं है।**
- अमेरिकी सरकार का ऋण, जसमें ट्रेजरी बॉण्ड, बलि और नोट शामिल हैं, कसीं वशिष्ट मूरत (हार्ड) परसिपत्तियों द्वारा समर्थति नहीं है। इसके बजाय, यह अमेरिकी सरकार के "पूरण वशिवास और साख" द्वारा समर्थति है। **अतः कथन II सही है।**

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

- <https://www.reuters.com/article/idUS1727210731/#:~:text=lf%20the%20U.S.%20government%20misses,fe>

[deral%20government%20and%20U.S.%20contractors.](#)

- <https://www.pgpf.org/blog/2023/05/the-federal-government-has-borrowed-trillions-but-who-owns-all-that-debt>
- <https://www.investopedia.com/terms/f/full-faith-credit.asp>

32. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

कथन-I : सामूहकि उधार बहु उधारदाताओं के मध्य उधारकर्त्ता के चूक (डफिल्ट) का जोखमि बढ़ाता है ।

कथन-II : सामूहकि ऋण एक नयित राशा/एकमुशत नधि हो सकती है, कति ऋण व्यवस्था (क्रेडिट लाइन) नहीं हो सकती ।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?] करता है
- (c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है
- (d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एक सामूहकि उधार दो या दो से अधिक बैंकों द्वारा उधारकर्त्ता को दिया जाता है, जिन्हें प्रतभागियों के रूप में जाना जाता है, जो एकल ऋण समझौते द्वारा नयितरति होते हैं । ऋण आमतौर पर एक बैंक, एजेंसी बैंक द्वारा समूह सदस्य की ओर से प्रशासति कथिा जाता है । सामूहकि उधार उधारदाताओं के एक समूह द्वारा जारी कथिे जाते हैं जो एक प्रमुख उधारकर्त्ता, जैसे कएक फर्म, एक व्यक्तगित पहल या सरकार को ऋण देने के लयि मलिते हैं । सामूहकि उधार का मुख्य उद्देश्य उधारकर्त्ता के डफिल्ट के जोखमि को कई उधारदाताओं, बैंकों या संस्थागत नविशकों जैसे पेंशन फंड एवं हेज फंड में वतितरति करना है । अतः कथन I सही है । ऋण में एक नयित राशा/एकमुशत नधि या ऋण व्यवस्था (क्रेडिट लाइन) हो सकती । अतः कथन II सही नहीं है ।

अतः वकिल्प (c) सही है ।

<https://imarticus.org/blog/debt-capital-markets-and-syndicated-lending/#:~:text=Syndicated%20lending%20primarily%20aims%20to,to%20support%20significant%20business%20deals.>

<https://www.investopedia.com/terms/s/syndicatedloan.asp>

33. डजिटिल रुपए के संबंध में नमिनलखिति कथनों वचिार कीजयि :

1. यह भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) द्वारा अपनी मौद्रकि नीतिके अनुरूप जारी की गई राष्ट्रकि (सॉवरेन) मुद्रा है ।
2. यह RBI के तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) पर देयता रूप में दखिाई देता है ।
3. यह अपने डज़िाइन से ही मुद्रास्फीतिके वरिद्ध बीमाकृत है ।
4. यह वाणजियकि बैंक मुद्रा और नकदी के लयि स्वतंत्र रूप से परवितनीय है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

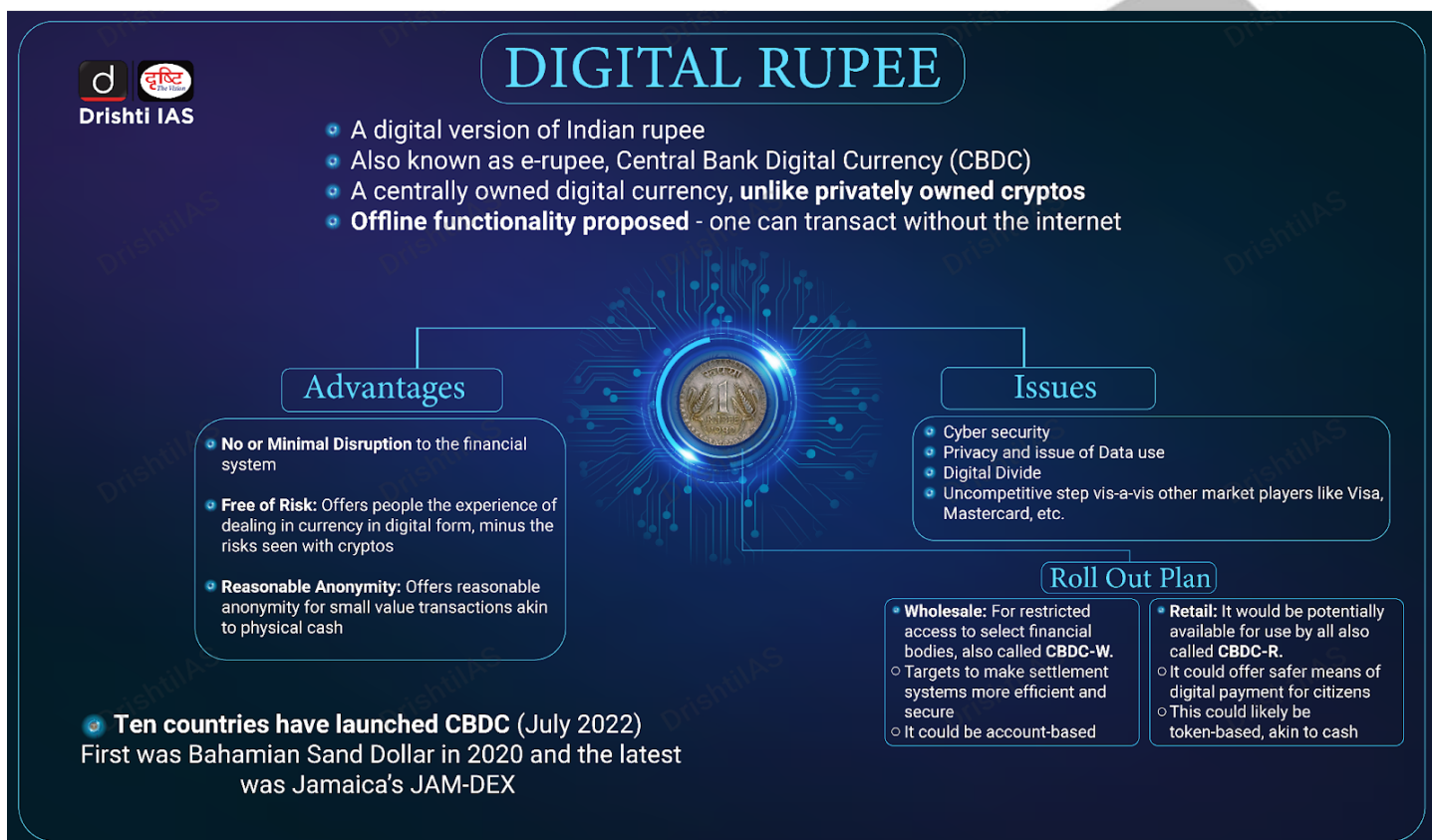
- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

डिजिटल रुपया:

- डिजिटल मुद्रा से तात्पर्य ऐसी किसी भी मुद्रा से है जो इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध हो। डिजिटल रुपया आभासी मुद्रा है, जो भौतिक मुद्रा के समान ही उद्देश्य पूरा करती है।
- डिजिटल रुपया एक केंद्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जिसे RBI द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वनियमति किया जाता है, जो पारंपरिक मुद्राओं से जुड़ी स्थिरता और विश्वास को बनाए रखता है।
- डिजिटल टोकन के रूप में डिजिटल मुद्रा (e₹-R) वधिमान्य मुद्रा का प्रतिनिधित्व करती है।
- इस प्रकार, डिजिटल मुद्रा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपनी मौद्रिक नीति के अनुरूप जारी की गई एक संप्रभु मुद्रा है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह RBI तुलन-पत्र पर एक देयता के रूप में दिखाई देता है। इसे उसी मूल्यवर्ग में जारी किया जाता है जिसमें वर्तमान में कागज़ी मुद्रा और सक्कि के ज़ारी किये जाते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह अपने डिज़ाइन के कारण मुद्रास्फीति के वरिद्ध बीमाकृत नहीं है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
 - भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने कहा है कि डिजिटल रुपया मूलतः भौतिक रुपए जैसा ही है, केवल डिजिटल रूप में है और 1:1 के अनुपात में वनियमि योग्य है। रुपए सहित भौतिक मुद्रा भी मुद्रास्फीति के प्रति संवेदनशील है। जैसे-जैसे माल और सेवाओं की कीमत बढ़ती है, रुपए (भौतिक या डिजिटल) की क्रय शक्ति घटती जाती है।
- यह वाणज्यिक बैंक की मुद्रा और नकदी के वरिद्ध स्वतंत्र रूप से परिवर्तनीय है। नकदी के मामले में, इस पर कोई ब्याज नहीं मल्लिगा और इसे बैंकों में जमा जैसे अन्य प्रकार के धन में परिवर्तित किया जा सकता है। **अतः कथन 4 सही है।**



Sources:

- [https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1896721#:~:text=Central%20Bank%20Digital%20Currency%20\(CBDC.token%20that%20represents%20legal%20tender&text=](https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1896721#:~:text=Central%20Bank%20Digital%20Currency%20(CBDC.token%20that%20represents%20legal%20tender&text=)

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/central-bank-digital-currency-2>

34. प्राचीन भारत के संदर्भ में, गौतम बुद्ध को सामान्यतः नमिनलखिति में से कनि उपनामों से जाना जाता था?

1. नायपुत्त
2. शाक्यमुनि
3. तथागत

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) उपर्युक्त में से कोई भी गौतम बुद्ध के उपनाम नहीं हैं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- प्राचीन ग्रंथों में **महावीर को नायपुत्त** (नयस का पुत्र) कहा गया है। यह उनके मूल वंश को संदर्भित करता है, जिसका संस्कृत में अनुवाद ज्ञात्र के रूप में किया जाता है। **अतः विकल्प 1 सही नहीं है।**
- बुद्ध (जन्म लगभग 6वीं से 4वीं शताब्दी ईसा पूर्व, लुम्बिनी, कपिलवस्तु के पास, शाक्य गणराज्य, कोसल साम्राज्य [अब नेपाल में] - मृत्यु, कुशीनगर, मल्ल गणराज्य, मगध साम्राज्य [अब कासिया, भारत]) बौद्ध धर्म के संस्थापक थे, जो दक्षिणी-पूर्वी एशिया तथा विश्व के प्रमुख धर्मों एवं दार्शनिक प्रणालियों में से एक है।
- बुद्ध (जन्म के जीवन के बारे में अधिकतर कविदंतियों के माध्यम से जाना जाता है) के रूप में संदर्भित ऐतिहासिक व्यक्तिका कुल नाम **गौतम** (संस्कृत में) या गोतम (पाली में) था और साथ ही उनका नाम **सद्धिधार्थ** (संस्कृत: "वह जो अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है") या **सद्धिधात** (पाली में) था। उन्हें प्रायः **शाक्यमुनि**, "शाक्य वंश का ऋषि" कहा जाता है। बौद्ध ग्रंथों में, उन्हें सबसे अधिक **भागवत** (प्रायः "भगवान" के रूप में अनुवादित) एवं **तथागत** के रूप में संबोधित किया जाता है, जिसका अर्थ या तो "ऐसा व्यक्ति जो इस प्रकार आया है" अथवा "ऐसा व्यक्ति जो इस प्रकार चला गया है" हो सकता है।

अतः विकल्प (b) सही है।

Sources:

- <https://www.speakingtree.in/blog/mahavira>
- <https://www.britannica.com/biography/Buddha-founder-of-Buddhism>

35. नमिनलखिति सूचना पर वचिर कीजिये:

	पुरातात्विक स्थल	राज्य	वविरण
1.	चंदरकेतुगढ़	शैलकृत गुफा मंदिर	व्यापार बंदरगाह शहर
2.	इनामगाँव	महाराष्ट्र	ताम्र-पाषाण स्थल
3.	मगडु	केरल	महापाषाण स्थल
4.	सालहिंडम	आंध्र प्रदेश	शैलकृत गुफा मंदिर

उपर्युक्त में से कौन-सी पंक्तियों में दी गई सूचना सही सुमेलित है ?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 3 और 4

(d) 1 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- चन्द्रकेतुगढ़ भारत के पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना ज़िले में स्थिति एक पुरातात्विक स्थल है। चन्द्रकेतुगढ़ का नदी मार्ग के निकट स्थिति होना यह दर्शाता है कि यह एक महत्त्वपूर्ण व्यापार केंद्र था, जो इस क्षेत्र को भारत के अन्य भागों और संभवतः दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ता था। **अतः युग 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- **इनामगांव** भारत के महाराष्ट्र के पुणे ज़िले में स्थिति एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। यह दक्कन ताम्रपाषाण (ताम्र युग) संस्कृतिको समझने के लिये सबसे महत्त्वपूर्ण स्थलों में से एक है।
- **अतः युग 2 सही सुमेलित है।**
- केरल में मंगडू एक नया खोजा गया प्रागैतिहासिक स्थल है जहाँ बड़ी संख्या में महापाषाण पाए जाते हैं। मंगडू महापाषाण का समय लगभग 1000 ईसा पूर्व से 100 ईसा पूर्व तक है। **अतः युग 3 सही सुमेलित है।**
 - मंगडू में महापाषाण स्मारकों में 5 समुच्चय भूमि के क्षेत्र में 28 कठोर संकुल और अपरिष्कृत लेटराइट खंड शामिल थे। शैल खंड मोटे तौर पर क्रमशः 3.5 मीटर, 4.15 मीटर और 5 मीटर व्यास के तीन वृत्त का निर्माण करते हैं।
- आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम ज़िले का सालहुंडम गांव, जो वंशधारा नदी के तट पर स्थिति है, उस समय प्रसिद्ध हुआ जब यहाँ पुरातात्विक उत्खनन में एक प्राचीन बौद्ध बस्ती के साक्ष्य मिले। यह स्थल अब ASI द्वारा संरक्षित है, यहाँ स्तूप, एक महास्तूप, चैत्य और वहार हैं। हालाँकि, यह स्थल शैलकृत मंदिरों के लिये नहीं जाना जाता है। **अतः युग 4 सही सुमेलित नहीं है।**

Sources:

- <https://timesofindia.indiatimes.com/travel/destinations/chandraketugarh-a-lesser-known-archaeological-site-in-west-bengal/articleshow/70645871.cms>
- <https://www.archaeology.kerala.gov.in/monuments/madankavu-urnburial-site/44#:~:text=The%20megalithic%20monuments%20at%20Mangadu,5%20metres%20in%20diameter%20respectively.>
- <https://aptourism.gov.in/destinations/37/salihundam>

Drishti IAS Link: NA

36. मध्यकालीन भारत के नमिनलखित शासकों में से कसिने पुरतगालियों को भटकल में एक कलिा बनाने की अनुमति दी थी?

- (a) कृष्णदेवराय
- (b) नरसमिहा सालुव
- (c) मुहम्मद शाह III
- (d) यूसुफ आदलि शाह

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **भटकल** कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ ज़िले के दक्षिणतम छोर पर स्थिति है। यह शराबी नदी के दक्षिणी तट पर स्थिति है।
- ऐसा कहा जाता है कि भटकल नाम जैन संत भट्ट अकालंका के नाम पर पड़ा है जो नौवीं शताब्दी में यहाँ नविस करते थे।
- भारत में पुरतगालियों के आगमन के साथ ही भटकल चर्चा में रहा। वास्को डी गामा के समय से ही भटकल के सरदार पुरतगाली शासकों को कर देते थे।
- सम्राट **कृष्णदेवराय** ने 1510 ई. में पुरतगालियों को यहाँ एक कलिा बनाने की अनुमति प्रदान की थी।

अतः विकल्प (a) सही है।

Sources:

- <https://www.deccanherald.com/lifestyle/travel/confluence-faiths-677840.html>
- <https://puratattva.in/bhatkal-a-port-of-contention-2/>

Drishti IAS Link: NA

37. कॉर्नवालसि द्वारा राजस्व संग्रहण के संदर्भ में, नमिन्लखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

1. राजस्व संग्रहण के रैयतवाड़ी बंदोबस्त के अधीन, कसिानों को फसल खराब होने या प्राकृतकि आपदाओं की स्थतिमें राजस्व भुगतान से छूट दी गई थी ।
2. बंगाल स्थायी बंदोबस्त के अधीन, यदजिमीदार नयित तथिपर या उससे पहले राज्य को राजस्व का भुगतान करने में वफिल रहता, तो उसे उसकी जमींदारी से हटा दयिा जाता था ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राजस्व संग्रह के रैयतवाड़ी बंदोबस्त के तहत, खराब फसल या प्राकृतकि आपदाओं की स्थतिमें कसिानों को राजस्व भुगतान से छूट नहीं दी जाती थी । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- वर्ष 1790 में ज़मींदारों के साथ कर चुकाने का दस वर्षीय समझौता कयिा गया तथा वर्ष 1793 में इस समझौते को स्थायी बना दयिा गया ।
 - भूमि के स्वामी के रूप में ज़मींदार उसे बेच सकता था, गरिवी रख सकता था या हस्तांतरति कर सकता था; उसके उत्तराधिकारी अधिकारों और दायतिवों के साथ भूमि को वरिसत में प्राप्त कर सकते थे ।
 - लेकनि, वर्ष 1794 में शुरु कयिा गए 'सूर्यास्त वधि' के तहत, यदकिसी नशिचति तथि के सूर्यास्त तक देय कर का भुगतान नहीं कयिा जाता है, तो ज़मींदारी को सरकार द्वारा अपने कब्जे में ले लयिा जाएगा और नीलाम कर दयिा जाएगा तथा अधिकार नए मालकि को हस्तांतरति कर दयिा जाएंगे । अतः कथन 2 सही है ।

अतः वकिल्प (b) सही है ।

Sources:

- Spectrum: a-brief-history-of-modern-India (Page-558-562,2020 edition)

Drishti IAS link: <https://www.drishtias.com/to-the-points/paper1/land-revenue-systems-in-british-india>

38. नमिन्लखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

1. उपनषिदों में कोई नीत-किथा (पैरंबेल) नहीं है ।
2. उपनषिदों की रचना पुराणों से भी पहले हुई थी ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दो पकषयिों के नीत-किथा (पैरंबेल) का उल्लेख उपनषिदों से प्राप्त होता है । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- भारतीय धार्मकि इतहास में दर्शन एवं रहस्यवाद की शुरुआत उपनषिदों के संकलन के काल में हुई, जो लगभग 7वीं से 5वीं ईसा पूर्व के बीच की गई थी ।
- पुराणों के प्रथम संस्करण की रचना संभवतः तीसरी से दसवीं शताब्दी ई. के बीच की गई थी । अतः कथन 2 सही है ।

Sources:

- <https://www.thehindu.com/features/friday-review/religion/Analogy-of-two-birds/article14633384.ece#:-:te xt=The%20analogy%20of%20the%20two%20birds%20mentioned%20in%20the%20Katopanishad>
- <https://www.britannica.com/topic/Hinduism/Sutras-shastras-and-smritis>

Drishti IAS link: <https://www.drishtiiias.com/blog/vedism>

39. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

1. भारत इंटरनेशनल ग्रेन्स काउन्सलि का सदस्य है ।
2. चावल और गेहूँ के नरियात या आयात के लयि कसिी देश को इंटरनेशनल ग्रेन्स काउन्सलि का सदस्य होना आवश्यक है ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

इंटरनेशनल ग्रेन्स काउन्सलि (IGC) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जसिके नमिनलखिति उद्देश्य हैं:

- अनाज व्यापार में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना;
- अनाज क्षेत्र के वसितार के साथ पारदर्शिता तथा नषिपक्षता को बढ़ावा देना;
- अनाज बाज़ार की स्थरिता में योगदान देना तथा वशिव खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना ।

भारत इंटरनेशनल ग्रेन्स काउन्सलि का सदस्य है । अतः कथन 1 सही है ।

इसमें प्रत्येक सदस्य को अनाज, चावल एवं तलिहन के उसके औसत व्यापार के आधार पर आयातक या नरियातक के रूप में नामति कयिा जाता है ।

चावल और गेहूँ के नरियात या आयात के लयि कसिी देश को इंटरनेशनल ग्रेन्स काउन्सलि का सदस्य होना आवश्यक नहीं है । अतः कथन 2 सही नहीं है ।

Source: <https://www.igc.int/en/about/aboutus.aspx>

Drishti IAS link: no link

40. यूनेस्को (UNESCO) की अमूरत सांस्कृतिक वरिसत की सूची में नमिनलखिति में से कौन-सा नवीनतम समावेश था?

- (a) छऊ (छाऊ) नृत्य
- (b) दुर्गा पूजा
- (c) गरबा नृत्य
- (d) कुंभ मेला

उत्तर: (c)

व्याख्या:

गरबा एक अनुष्ठानिक और भक्तनृत्य है जो हट्टि त्योहार (नवरात्रि) के अवसर पर कयिा जाता है तथा यह नारी शक्ति (Feminine energy) या ऊर्जा हेतु समर्पति है ।

यूनेस्को (UNESCO) की अमूरत सांस्कृतिक वरिसत सूची में नवीनतम समावेश (वर्ष 2023 में) गुजरात का गरबा नृत्य है । अतः विकल्प (c) सही है ।

छऊ नृत्य- वर्ष 2010

दुर्गा पूजा- वर्ष 2021

कुंभ मेला- वर्ष 2017

Source: <https://ich.unesco.org/en/lists>

Drishti IAS link: <https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/unesco-recognition-to-gujarat-garba-dance>

41. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

कथन-I: साहेल क्षेत्तर में असथरिता और बगिइती सुरक्खा स्थतित्तविदियमान है ।

कथन-II: हाल ही में साहेल क्षेत्तर के कई देशों में सैन्य कब्जा/तख्तापलट हुआ है ।

उपर्युक्त कथनों के संबंघ में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?]/?/?/? करता है ।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है ।
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है ।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- नाइजर, बुरकना फासो, चाड, माली, मॉरिटानिया और सेनेगल का साहेल क्षेत्तर राजनीतिक असथरिता और जातीय तनाव का साक्षी रहा है । अतः कथन 1 सही है ।
- नाइजर एक राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है क्योंकि वहाँ की सेना ने सरकार का तख्तापलट वर्ष 2023 में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति को हटाकर वहाँ अपना नियंत्रण कर लिया है । अतः कथन 2 सही है ।
- इसलिये, विकल्प (a) सही है । क्योंकि कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की व्याख्या करता है ।

Sources:

- <https://press.un.org/en/2024/sc15562.doc.htm>
- <https://www.orfonline.org/expert-speak/military-takeover-in-gabon-a-coup-d-tat-or-palace-revolution>

Drishti IAS link: <https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/coup-in-niger>

42. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

कथन-I: भारत संयुक्त राज्य अमेरिका से सेब आयात नहीं करता है ।

कथन-II : भारत में, वधिके अनुसार, सक्षम प्राधकारि के अनुमोदन के बनि आनुवंशिक रूप से रूपांतरित खाद्य (फूड) के आयात पर प्रतषिध है ।

उपर्युक्त कथनों के संबंघ में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?]/?/?/? करता है ।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है ।
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है ।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सितंबर 2023 में भारत द्वारा अमेरिकी सेब पर "रटिलियटरी आयात शुल्क (Retaliatory import duty)" हटाने के बाद तीन महीनों में अमेरिकी सेबों का आयात 40 गुना बढ़ गया। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- भारत में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 द्वारा FSSAI की स्वीकृति के बिना GM खाद्य के आयात, उत्पादन, उपयोग या बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। अतः कथन 2 सही है।

अतः विकल्प (d) सही है, क्योंकि कथन-I सही नहीं है और कथन-II सही है।

Sources:

- <https://pib.gov.in/PressReleaseFramePage.aspx?PRID=1935460>,
- <https://www.downtoearth.org.in/news/food/known-unknowns-india-s-apex-food-regulator-has-no-data-on-presence-of-gmos-in-fresh-produce-imported-over-past-5-years-92757#:~:text=In%20India%2C%20the%20Food%20Safety,GM%20food%20without%20FSSAI's%20approval.>

Drishti IAS

link: <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/fssai-lacks-data-on-genetically-modified-organisms#:~:text=In%20India%2C%20the%20Food%20Safety,%2C%20a%20non%2Dfood%20crop.>

43. लोकसभा के अध्यक्ष के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. जब लोकसभा के अध्यक्ष को हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है, तब
2. वह पीठासीन नहीं होगा/होगी।
3. उसे बोलने का अधिकार नहीं होगा।
4. वह संकल्प पर प्रथमतः मत देने का/की हकदार नहीं होगा/होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 96 के अनुसार, लोकसभा की किसी भी बैठक में, जब उपाध्यक्ष को उसके पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन है तब उपाध्यक्ष, उपस्थित रहने पर भी, **पीठासीन नहीं रहेगा** और अनुच्छेद 95 के खंड (2) के उपबंध ऐसे ही लागू होंगे जैसे वे उस बैठक के संबंध में लागू होते हैं जिससे, यथास्थिति, उपाध्यक्ष अनुपस्थित है। अतः कथन 1 सही है।
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 96 (2) के अनुसार, **जब लोकसभा के अध्यक्ष को हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है**, तब उसे लोकसभा में बोलने एवं अन्यथा उसकी कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होगा। अनुच्छेद 100 में किसी प्रावधान के बावजूद वह ऐसे संकल्प पर या ऐसी कार्यवाही के दौरान या किसी अन्य मामले पर केवल प्रथमतः मत देने का/की हकदार होगा/होगी, लेकिन मतों की समानता के मामले में वह मत देने का/की हकदार नहीं होगा/होगी। अतः कथन 2 और 3 सही नहीं हैं।

Source: Constitution of India

Drishti IAS Link:

- <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/role-of-the-speaker#:~:text=Article%2095%2F180%3A%20Power%20of,from%20office%20is%20under%20consideration.>
- <https://www.drishtijudiciary.com/tp-constitution-of-india/speaker-of-the-lok-sabha>

44. भारतीय संसद के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. लोकसभा में लंबित कोई विधेयक उसके विघटन हो जाने पर व्यपगत हो जाता है।

2. लोकसभा द्वारा पारित और राज्यसभा में लंबित कोई विधियक लोकसभा के विधितन हो जाने पर व्यपगत हो जाता है।
3. कोई विधियक, जिसके संबंध में भारत के राष्ट्रपति ने सदनों की संयुक्त बैठक आहूत करने के अपने आशय की सूचना दे दी है, लोकसभा का विधितन हो जाने पर व्यपगत हो जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) 1 और 2
- (c) 2 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 107 के अनुसार, कोई विधियक जो लोकसभा में प्रस्तुत होकर लंबित रह जाता है, वह सदन के विधितन के साथ ही व्यपगत माना जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- अनुच्छेद 107(5) के अनुसार, कोई विधियक जो लोकसभा में प्रस्तुत होकर पारित हो जाता है, लेकिन राज्यसभा में लंबित रहता है, उसे भी व्यपगत माना जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- अनुच्छेद 108(5) के अनुसार, इस अनुच्छेद के अंतर्गत संयुक्त बैठक आयोजित की जा सकेगी और उसमें विधियक पारित किया जा सकेगा, भले ही राष्ट्रपति द्वारा सदनों को उसमें बैठक के लिये बुलाने के अपने इरादे की अधिसूचना दिये जाने के बाद से लोकसभा का विधितन हो गया हो **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

Source: Constitution of India

Drishti IAS Link: <https://www.drishtias.com/daily-news-analysis/lapsing-of-bills-in-parliament>

45. भारत के संसद के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. भारत के राष्ट्रपति द्वारा किसी सदन के सत्रावसान के लिये मंत्रिपरिषद के परामर्श की आवश्यक नहीं है।
2. सदन का सत्रावसान सामान्यतः सदन अनश्चित काल के लिये स्थगित होने के पश्चात किया जाता है, कति भारत के राष्ट्रपति द्वारा उस सदन का सत्रावसान करने पर कोई वर्जन नहीं है जो सत्र में है।
3. लोकसभा का विधितन भारत के राष्ट्रपति द्वारा असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, मंत्रिपरिषद के परामर्श से किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) 1 और 2
- (c) 2 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान का अनुच्छेद 85(1) राष्ट्रपति को, संसद के प्रत्येक सदन को ऐसे समय एवं स्थान पर सत्र आहूत करने का अधिकार देता है, जिससे वह उचित समझे, कति एक सत्र में सदन की अंतिम बैठक और अगले सत्र में सदन की पहली बैठक के लिये नियत तिथि के बीच छह महीने का अंतर नहीं होगा।
 - राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या मंत्रिमंडल की सफारिश पर सदनों को आहूत करने की शक्त का प्रयोग करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सत्रावसान सामान्यतः सदन की बैठक के अनश्चित काल के लिये स्थगित होने के बाद होता है। सदन के अनश्चित काल के लिये स्थगन और उसके सत्रावसान के बीच का समय अंतराल सामान्यतः दो से चार दिनों का होता है, यद्यपि ऐसे उदाहरण भी हैं जब सदन को उसी दिनि स्थगित कर दिया गया जिस दिनि उसे अनश्चित काल के लिये स्थगित किया गया था। यह भी आवश्यक नहीं है कि दोनों सदनों का सत्रावसान एक ही दिनि हो। ऐसे उदाहरण हैं, जब एक सदन को उसके अनश्चित काल के लिये स्थगन पर स्थगित कर दिया गया, जबकि दूसरे सदन को उसके अनश्चित काल के लिये स्थगन पर स्थगित नहीं किया गया। (राज्यसभा का 141वाँ सत्र जो 23 फरवरी 1987 को शुरू हुआ था, 20 मार्च 1987 को अनश्चित काल के लिये स्थगित कर दिया गया था और 24 मार्च 1987 को सत्रावसान कर दिया गया था।) **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत में, लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है, लेकिन इसे पहले भी भंग किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 83(2) के अनुसार,

इसकी बैठक के पहले दिन से पाँच वर्ष पूरे होने पर नचिले सदन को भंग कर दिया जाता है। प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नचिले सदन को पहले भी भंग किया जा सकता है। इसे तब भी भंग किया जा सकता है जब राष्ट्रपति को लगता है कि किसी सरकार के त्याग-पत्र देने के बाद कोई व्यवहार्य सरकार नहीं बन सकती। अतः कथन 2 सही है।

भारतीय संविधान अनुच्छेद 85 (Article 85 in Hindi) - संसद के सत्र, सत्रावसान और वधितन

(1) राष्ट्रपति समय-समय पर, संसद के प्रत्येक सदन को ऐसे समय और स्थान पर, जो वह ठीक समझे, अधिवेशन के लिये आहूत करेगा, कन्ति उसके एक सत्र की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की प्रथम बैठक के लिये नयित तारीख के बीच छह मास का अंतर नहीं होगा।

(2) राष्ट्रपति, समय-समय पर-

(क) सदनों का या किसी सदन का सत्रावसान कर सकेगा;

(ख) लोकसभा का वधितन कर सकेगा।

Sources:

- Constitution of India
- <https://www.mpa.gov.in/sites/default/files/parlia3.pdf>

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/to-the-points/Paper2/parliament-part-ii>

46. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि :

कथन-I: हाल ही में, यूरोपीय संसद ने द नेट-जीरो इंडस्ट्री ऐव को मंजूरी दी।

कथन-II : यूरोपीय संघ वर्ष 2040 तक कार्बन तटस्थता (न्यूट्रालिटी) प्राप्त करने का आशय रखता है और इसलिये उसका लक्ष्य उस समय तक अपनी सभी स्वच्छ प्रौद्योगिकी विकसित करना है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है।
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाल ही में, यूरोपीय संसद ने विकारबनीकरण के लिये आवश्यक प्रौद्योगिकियों में यूरोपीय संघ के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु नेट-जीरो उद्योग अधिनियम को मंजूरी दी। अतः कथन I सही है।
- यूरोपीय संघ ने कहा है, "यह वर्ष 2050 तक "जलवायु तटस्थ" होने वाली पहली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य बना रहा है।" अतः कथन II सही नहीं है।

Sources:

- <https://www.europarl.europa.eu/topics/en/article/20190926STO62270/what-is-carbon-neutrality-and-how-can-it-be-achieved-by-2050>
- <https://www.bbc.com/news/science-environment-46360212>
- <https://www.europarl.europa.eu/news/en/press-room/20240419IPR20568/meps-adopt-plans-to-boost-europe-s-net-zero-technology-production>

47. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि :

कथन-I: हाल ही में, वेनेजुएला अपने आर्थिक संकट से तेज़ी से उबरने में सफल हुआ है और अपने लोगों को दूसरे देशों में पलायन/प्रवास करने से रोकने में सफल हुआ है।

कथन-II : वेनेजुएला के पास विश्व के सबसे बड़े तेल भंडार हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है।
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्ष 2014 से अब तक 7.72 मिलियन से अधिक लोगों के पलायन के साथ, वेनेजुएला में शरणार्थी संकट लैटिन अमेरिका में सबसे बड़ा वसिथापन संकट है और विश्व में सबसे बड़े संकटों में से एक है।
 - 7.72 मिलियन लोगों में से लगभग 84% लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में बस गए एवं उन्हें भोजन, आवास तथा आजीविका के लिये महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। **अतः कथन I सही नहीं है।**
- वर्ष 2021 में वेनेजुएला में कच्चे तेल का नक्षेप 304 बिलियन बैरल के करीब पहुँच गया, जो वगित दशक की शुरुआत में बताए गए आँकड़े से तीन गुना से भी अधिक है। बदले में, वेनेजुएला ने विश्वभर में सबसे बड़ा कच्चा तेल नक्षेप होने का दावा किया। **अतः कथन 2 सही है।**

Sources:

- <https://disasterphilanthropy.org/disasters/venezuelan-refugee-crisis/>
- <https://disasterphilanthropy.org/disasters/venezuelan-refugee-crisis/#:~:text=The%20country%20has%20the%20w,orld%E2%80%99s%20largest%20oil%20reserves%2C%20which%20financed%20almost%2058%25%20of%20the%20government%E2%80%99s%20budget.>
- <https://oilprice.com/Energy/Crude-Oil/Top-10-Countries-With-Largest-Oil-Reserves.html#:~:text=Oil%20Reserves%20FAQ&text=Venezuela%20is%20currently%20the%20country,300%20billion%20barrels%20of%20oil.>

48. डिजिटल इण्डिया भूमिअभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

- इस योजना को कार्यान्वति करने के लयि, केंद्र सरकार 100% वतित-पोषण करती है।
- इस योजना के अंतर्गत, भूसंपत्ता (कैडस्टरल) मानचतिर डिजिटलीकृत करि जाते हैं।
- स्थानीय भाषा में उपलब्ध अधकिार अभलिखों को भारत के संवधिान द्वारा मान्यता प्राप्त कसिी भी भाषा में लपियंतरति करने की पहल की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- केंद्र सरकार द्वारा पूरणतः वतितपोषति डिजिटल इण्डिया भूमिअभलिख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (जसिे पहले राष्ट्रीय भूमिअभलिख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के रूप में जाना जाता था) को 1 अप्रैल, 2016 को पूरणतः पुनः डिज़ाइन किया गया और साथ ही इसे केंद्रीय क्षेत्तरक योजना बना दिया गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- भूसंपत्ता (कैडस्टरल) मानचतिरों का डिजिटलीकरण DILRMP के प्रमुख घटकों एवं गतविधियिों में से एक है। **अतः कथन 2 सही है।**

S.No	Component	Activities
1	Computerization of Land Records	(i) Computerization of Record of Rights; (ii) <u>Digitization of cadastral maps</u> ; (iii) Integration of Record of Rights (textual) and cadastral maps (spatial); (iv) Data centres at state level.
2	Computerization of Registration	(i) Computerization of Sub Registrar Offices (SROs); (ii) Connectivity between Sub-registrar offices and Tehsils; and (iii) Integration of registration and land records.
3	Survey / Resurvey	Survey / resurvey and updating of survey & settlement records.
4	Modern Record Rooms	Modern Record rooms / Land records management Centres at tehsil level.
5	Training & Capacity building	Creation of DILRMP Cells at Administrative Training Institutes and / or the Survey / Revenue / Patwari Training Institutes of States
6	Project Management Unit	To provide human resources and other infrastructure to provide support for the effective implementation of various components of DILRMP.
7	Computerization of Revenue Court Management System	Computerization of all Revenue Courts in the country and their integration with Land records.
8	Integration of Aadhaar number with the land record database on voluntary basis	To link Aadhaar number with Records of Rights (RoR).

- भूमि प्रशासन में भाषाई बाधाओं की समस्या का समाधान करने के लिये, सरकार ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (C-DAC) पुणे के तकनीकी सहयोग से, स्थानीय भाषा में उपलब्ध अधिकारों के अभिलेखों को संवधान की अनुसूची VIII की 22 भाषाओं में से किसी एक में लपियंतरति करने की पहल की है। **अतः कथन 3 सही है**

Sources:

- <https://dolr.gov.in/programmes-schemes/dilrmp-2/#:~:text=The%20earlier%20National%20Land%20Records,effect%20from%201st%20April%202016.>
- <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1989671>

Drishti IAS Link:

- <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-editorials/digitisation-of-land-records>

49. 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

- यह योजना किसी भी सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में गर्भावस्था की दूसरी और तीसरी त्रिमाही में महिलाओं को प्रसवपूर्व चिकित्सा देखभाल सेवाओं के लिये न्यूनतम पैकेज और प्रसवोत्तर छह महीने की स्वास्थ्य चिकित्सा देखभाल सेवा की गारंटी प्रदान करती है।
- इस योजना के अंतर्गत, कुछ वशिष्टताओं वाले नज्दी क्षेत्र के स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदाता स्वेच्छा से नज्दीकी सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का शुभारंभ प्रत्येक माह की 9 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं **दूसरी और तीसरी तमाही में** को नशिचति दिनि पर सुनशिचति, वयापक और गुणवत्तापूरण प्रसवपूरव देखभाल प्रदान करने के लयि कयिा गया था ।
- अभयिान के एक भाग के रूप में, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सरकारी सवास्थय सुवधिओं (PHC/ CHC, DH/शहरी सवास्थय सुवधिएँ आदी) में गर्भवती महिलाओं को उनकी दूसरी/तीसरी तमाही में **प्रसवपूरव देखभाल सेवाओं** का एक नयूनतम पैकेज प्रदान कयिा जाता है ।
 - लेकिन यह योजना कसिी भी सरकारी सुवधि में प्रसव के छह माह बाद सवास्थय देखभाल सेवाएँ प्रदान नहीं करती है । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- नजी/सवैच्छकि क्षेत्र के डॉक्टरों की सहभागति को सुवधिजनक बनाने हेतु **PMSMA के लयि एक राष्ट्रीय पोर्टल** और एक मोबाइल एप्लीकेशन वकिसति कयिा गया है ।
 - नजी क्षेत्र के **OBGY वशिषज्जों/रेडयिलॉजसि्ट/चकितिसकों** को सार्वजनकि सवास्थय सुवधिओं पर सवैच्छकि सेवाएँ प्रदान करने के लयि प्रोत्साहति कयिा जाएगा जहाँ सरकारी क्षेत्र के चकितिसक उपलब्ध नहीं हैं या अपर्याप्त हैं । अतः कथन 2 सही है ।

अतः वकिल्प (b) सही है ।

50. प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (PM-SYM) योजना के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. इस योजना में नामांकन के लयि प्रवेश आयु वर्ग 21 से 40 वर्ष है ।
2. लाभार्थी द्वारा आयु वशिषिट अंशदान कयिा जाएगा ।
3. इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्राहक (सब्सक्राइबर) को 60 वर्ष की आयु प्राप्ति करने के बाद 3,000 प्रतिमाह की नयूनतम पेंशन प्राप्ति होगी ।
4. पारिवारकि पेंशन पति/पतनी और अवविहति पुत्रयिों पर लागू होगी ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

- (a) 1, 3 और 4
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (PM-SYM) योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के असंगठित श्रमकिों के लयि एक सवैच्छकि एवं अंशदायी पेंशन योजना है, जसिमें **अधिकतम मासकि आय 15000 रुपए या उससे कम** है । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
 - इसमें आवेदकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्ति करने तक 55 रुपए से लेकर 200 रुपए प्रतिमाह के बीच मासकि अंशदान करना होगा ।
 - आवेदक के 60 वर्ष की आयु प्राप्ति करने के बाद, वह पेंशन राशकि दावा कर सकता है ।
- यह 50:50 के अंशदान वाली एक सवैच्छकि एवं अंशदायी पेंशन योजना है, जसिमें **आयु-वशिषिट आधार पर लाभार्थी द्वारा नरिधारति अंशदान** कयिा जाएगा और उसके समान ही केंद्र सरकार द्वारा अंशदान कयिा जाएगा । अतः कथन 2 सही है ।
- इसके तहत 60 वर्ष की आयु प्राप्ति करने पर लाभार्थी को 3000/- रुपए की सुनशिचति मासकि पेंशन (जैसा भी मामला हो) मिलेगी । अतः कथन 3 सही है ।
- यदि लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है, तो लाभार्थी का जीवनसाथी पारिवारकि पेंशन के रूप में पेंशन का 50% प्राप्ति करने का हकदार होगा । इसके तहत **पारिवारकि पेंशन केवल जीवनसाथी** (अवविहति बेटयिों के लयि नहीं) पर लागू होती है । अतः कथन 4 सही नहीं है ।

अतः वकिल्प (b) सही है ।

Source:

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/pdf/pradhan-mantri-shram-yogi-maan-dhan-pm-sym.pdf>

Other Authentic and Standard Sources:

https://maandhan.in/show_content.php?lang=1&level=1&ls_id=28&lid=28&page=6

https://himachal.nic.in/WriteReadData/l892s/14_l892s/1559374232.pdf

<https://labour.gov.in/pm-sym#:~:text=4.,Government%20as%20per%20the%20chart.>

51. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

कथन-I : पार्थवि वकिरिण की तुलना में आगमी (इनकमगि) सौर वकिरिण से वायुमंडल अधिक गर्म हो जाता है ।

कथन-II: वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों दीर्घ तरंग वकिरिण के अच्छे अवशोषक हैं ।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है ।
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या नहीं करता है ।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है ।
(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है ।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अन्य सभी गर्म वस्तुओं की तरह पृथ्वी भी ऊष्मा उत्सर्जति करती है । इसे पार्थवि वकिरिण के नाम से जाना जाता है । लघु तरंगों के माध्यम से आने वाली सौर वकिरिण को **सूर्यातप** कहा जाता है ।
 - वकिरिण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सौर ऊर्जा पृथ्वी तक पहुँचती है और साथ ही पृथ्वी बाह्य अंतरिक्ष में ऊर्जा खो देती है ।
- वायुमंडल लघु तरंगों के लिये पारदर्शी एवं दीर्घ तरंगों के लिये अपारदर्शी होता है । इसलिये **पृथ्वी की सतह से निकलने वाली ऊर्जा अर्थात् पार्थवि वकिरिण, आगमी सौर वकिरिण अर्थात् सूर्यातप की तुलना में वायुमंडल को अधिक गर्म करती है । अतः कथन 1 सही नहीं है ।**
- दीर्घतरंग वकिरिण वायुमंडलीय गैसों, विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड तथा अन्य ग्रीनहाउस गैसों द्वारा अवशोषति कर लिया जाता है । अतः **कथन 2 सही है ।**

अतः विकल्प (d) सही है ।

Source: _

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/mains-practice-question/question-360#:~:text=Terrestrial%20Radiation%3A%20The%20earth's%20surface,dioxide%20and%20other%20greenhouse%20gases.>

Other Authentic and Standard Sources: <https://www.nios.ac.in/media/documents/316courseE/ch10.pdf>

52. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

कथन-I : भूमध्यरेखा (इक्वेटर) पर क्षोभमंडल की मोटाई, ध्रुवों की तुलना में बहुत अधिक है ।

कथन-II: भूमध्यरेखा (इक्वेटर) पर, प्रबल संवहनी धाराओं द्वारा ऊष्मा को अधिक ऊँचाई तक ले जाया जाता है ।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है ।
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या [?] करता है ।
(c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है ।

(d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

कषोभमंडल वायुमंडल की सबसे नचिली परत है। इसकी औसत ऊँचाई **13 कमी.** है और ध्रुवों के पास यह लगभग **8 कमी.** एवं भूमध्य रेखा पर लगभग **18 कमी.** की ऊँचाई तक वसित है। भूमध्य रेखा पर कषोभमंडल सबसे मोटा है तथा **उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों** पर बहुत पतला है। **अतः कथन 1 सही है।**

कषोभमंडल की मोटाई भूमध्य रेखा पर सबसे अधिक होती है क्योंकि प्रबल संवहन धाराओं द्वारा ऊष्मा को बहुत ऊँचाई तक ले जाया जाता है। इसलिये, कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtias.com/sambhav-daily-answer-writing-practice/papers/2023/the-atmosphere-divided-layers-based-temperature-significance-layer-human-life-earth-temperature-inversion-factors-controlling-temperature-distribution-gspaper1-geography/print#:~:text=Its%20average%20height%20is%2013,dust%20particles%20and%20water%20vapour.>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.drishtias.com/images/pdf/NCERT-Class-11-Geography-Part-1.pdf>

https://www.researchgate.net/post/Why_is_troposphere_higher_at_equator_but_lower_at_poles_and_reasons_for_lowest_layer_of_atmosphere_being_deeper_at_equator_than_at_the_poles

53. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि:

1. ज्वलखंडाशमी (पाइरोक्लास्टी) मलबा
2. राख और धूल
3. नाइट्रोजन योगकि
4. सल्फर योगकि

उपर्युक्त में से कतिने ज्वालामुखी उदगारों के उत्पाद हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **ज्वालामुखीय खतरा** कसिी भी संभावति खतरनाक ज्वालामुखीय प्रक्रिया को संदर्भति करता है जो मानव जीवन, आजीवकिा या बुनयिादी ढाँचे को कषर्ता पहुँचाने के जोखमि में डालता है।
 - ज्वालामुखी के आस-पास के कषेत्त्र लावा प्रवाह, **ज्वलखंडाशमी प्रवाह**, लहर और भूस्खलन या मलबे का हमिस्खलन आदि से प्रभावति होता है।
 - ज्वालामुखीय गतविधि से अन्य खतरे भी उत्पन्न होते हैं, जो ज्वालामुखी से दूर स्थति कषेत्त्रों को प्रभावति कर सकते हैं, जैसे **भस्मपात या टेफ्रा और गैस का उत्सर्जन**।
- ज्वालामुखी उदगार के दौरान उत्सर्जति गैस अणुओं में से 99 प्रतशित **जल वाष्प (H₂O)**, कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) और **सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂)** होते हैं।

- शेष एक प्रतशित हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, हाइड्रोजन फ्लोराइड और अन्य छोटी गैसों की अल्प मात्रा से बना है।
- ज्वालामुखी प्रत्यक्ष तौर पर **नाइट्रोजन के उपयोगी रूप नषिकर्षति नहीं करते हैं**। उद्गार के दौरान होने वाली तीव्र गतविधि से आकाशीय वदियुत गरिने की संभावना हो सकती है।
 - ये आकाशीय वदियुत वायु में **नाइट्रोजन अणुओं (N₂) को वधितति कर देते हैं, जसिसे नाइट्रोजन परमाणु अन्य तत्त्वों के साथ मलिकर उपयोगी नाइट्रोजन यौगकि बनाते हैं।**
- अतः **वकिल्प (d) सही है।**

Source: _

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.usgs.gov/faqs/what-gases-are-emitted-kilauea-and-other-active-volcanoes>

<https://www.bgs.ac.uk/discovering-geology/earth-hazards/volcanoes/volcanic-hazards/>

<https://eos.org/articles/volcanic-lightning-may-have-retooled-the-nitrogen-needed-for-life#:~:text=Volcanoes%20belched%20the%20gases%20that,that%20living%20things%20can%20use.>

54. जनवरी माह में समतापी रेखा-मानचित्रों (आइसोथर्मल मैप) से प्राप्त कौन-सा/कौन-से नषिकर्ष सही है/हैं?

1. समताप रेखाएँ महासागर के ऊपर उत्तर की ओर और महाद्वीप के ऊपर दक्षिण की ओर वचिलति हो जाती हैं।
2. शीत महासागरीय धाराओं, गल्फ स्ट्रीम और उत्तरी अटलांटिक अपवाह (ड्रिफ्ट) की उपस्थिति उत्तरी अटलांटिक महासागर को शीतल बनाती है और समताप रेखाएँ उत्तर की ओर मुड़ जाती हैं।

नीचे दधि गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनधि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **समताप रेखाएँ** काल्पनिक रेखाएँ हैं जो कसिी दधि गए समय पर या कसिी दी गई अवधि में समान तापमान वाले बडिओं को जोड़ती हैं।
 - इन रेखाओं का उपयोग **मौसम वजिज्ञान एवं जलवायु वजिज्ञान** में भौगोलिक प्रदेशों में तापमान वतिएण का आकलन करने के लधि कधि जाता है।
- जनवरी में **समताप रेखाएँ महासागरीय क्षेत्त्रों** के ऊपर उत्तर की ओर एवं महाद्वीप **क्षेत्त्रों** के ऊपर दक्षिण की ओर वचिलन करती हैं। ऐसा उत्तरी अटलांटिक महासागरीय क्षेत्त्र में देखा जा सकता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- उष्ण महासागरीय धाराओं, गल्फ स्ट्रीम और उत्तरी अटलांटिक अपवाह (ड्रिफ्ट) की उपस्थिति उत्तरी अटलांटिक महासागर को उष्ण बनाती है तथा समताप रेखाएँ उत्तर की दक्षिण की ओर वचिलन करती हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- भूमिपर तापमान तेज़ी से कम हो जाता है और **समताप रेखाएँ** यूरोप में दक्षिण की दक्षिण की ओर वचिलन करती हैं।

अतः वकिल्प (a) सही है।

Source: _

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

[SOLAR RADIATION, HEAT BALANCE AND TEMPERATURE](#)











55. नमिनलखिति में से कौन-से देश वशिव के दो सबसे बड़े कोको उत्पादक के रूप में वखियात हैं?

- (a) अल्जीरिया और मोरक्को
- (b) बोत्सवाना और नामीबिया
- (c) कोटे डी'आइवर और घाना
- (d) मेडागास्कर और मोज़ाम्बीक

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कोटे डी'आइवर और घाना दो सबसे बड़े कोको उत्पादक देश हैं, जिनकी वैश्विक कोको उत्पादन में लगभग 60% की हसिसेदारी है और इसके बाद 9% उत्पादन के साथ इक्वाडोर दूसरे स्थान पर है।
 - वर्ष 2022 में 2.2 मिलियन टन कोको उत्पादन के साथ कोटे डी आइवर वशिव का सबसे बड़ा उत्पादक रहा, जिसकी कुल वैश्विक उत्पादन में लगभग एक तह्निई (30%) हसिसेदारी रही।
 - कैंडबरी और नेस्ले जैसे जाने-माने ब्रांड ज़्यादातर इसी देश से कोको प्राप्त करते हैं।
 - घाना कोको का एक अन्य शीर्ष उत्पादक है। कोको का उत्पादन इस देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रमुख योगदान देता है।
 - एशिया में इंडोनेशिया, कोको का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पश्चिम अफ्रीका के तहत वशिव के अग्रणी कोको उत्पादक देश शामिल हैं, जन्होंने वर्ष 2022 में 3.9 मिलियन टन कोको का उत्पादन किया।
- UN FAO के डेटा के अनुसार शीर्ष कोको उत्पादक देश:

Country	2022 Production, Tonnes
 Côte d'Ivoire	2.2M
 Ghana	1.1M
 Indonesia	667K
 Ecuador	337K
 Cameroon	300K
 Nigeria	280K
 Brazil	274K
 Peru	171K
 Dominican Republic	76K
 Other	386K

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: <https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/chocolate-industry-meltdown>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://newdiplomatng.com/the-world-top-cocoa-producing/>

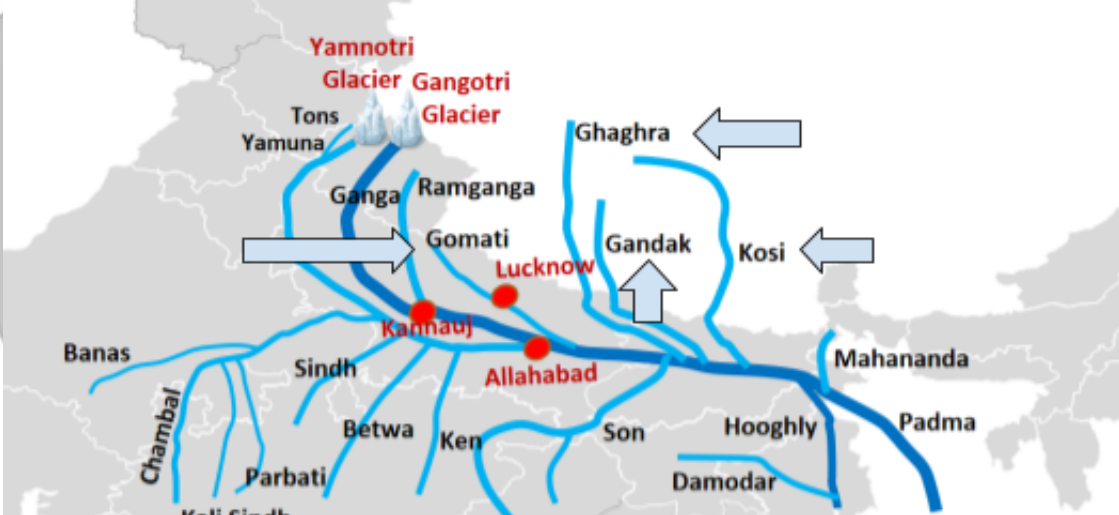
56. पश्चिम से पूर्व की ओर प्रयागराज के अनुप्रवाह में गंगा में मलिन वाली हिमालय की नदियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा अनुक्रम सही है?

- (a) घाघरा - गोमती - गंडक - कोसी
- (b) गोमती - घाघरा - गंडक - कोसी
- (c) घाघरा - गोमती - कोसी - गंडक
- (d) गोमती - घाघरा - कोसी - गंडक

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- गंगा नदी प्रणाली भारत की सबसे बड़ी नदी प्रणाली है, जिसमें अनेक बारहमासी और गैर-बारहमासी नदियाँ हैं, जो क्रमशः उत्तर में हिमालय एवं दक्षिणी प्रायद्वीप से निकलती हैं।
- बाईं तट की महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी और महानंदा हैं।
 - अंततः यह नदी सागर द्वीप के पास बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- गोमती गंगा नदी की एक सहायक नदी और गंगा मैदान की एक जलोढ़ नदी है।
 - यह नदी मैनकोट के पास गोमत ताला झील से निकलती है जिसे माधोटांडा में फुलहर झील के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत शहर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- घाघरा नदी मापचाचुंगो के ग्लेशियरों से निकलती है, अपनी सहायक नदियों टीला, सेती और बेरी से जल एकत्र करती है और शीशपानी में एक गहरे महाखड्ड के माध्यम से पर्वतों से बाहर निकलती है।
- गंडक नदी में कालीगंडक और त्रिशूलगंगा नदियाँ शामिल हैं। यह धौलागिरी और माउंट एवरेस्ट के बीच नेपाल हिमालय से निकलती है, मध्य नेपाल से होकर बहती है, बिहार के चंपारण ज़िले में गंगा के मैदान में प्रवेश करती है और पटना के पास सोनपुर में गंगा में मलि जाती है।
- कोसी एक पूर्ववर्ती नदी है, जो तबिबत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में अपनी मुख्य धारा अरुण के साथ निकलती है।
 - यह नेपाल में मध्य हिमालय को पार करती है, जहाँ यह पश्चिम से सोन कोसी और पूर्व से तमूर कोसी से मलिती है तथा अरुण नदी के साथ वलिय के बाद सप्त कोसी का निर्माण करती है।
- पश्चिम से पूर्व तक सही क्रम है: गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी।



अतः विकल्प (b) सही है।

Source:

Drishti IAS link: <https://www.drishtiiias.com/pdf/1589811013-e-flows-in-river-ganga.pdf>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kegy103.pdf>

57. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये-

कथन-I : चट्टानों के अपक्षय के कारणों में से एक कारण वर्षा है ।

कथन-II: वर्षा जल में घोल के रूप में कार्बन डाइऑक्साइड वदियमान होता है ।

कथन-III : वर्षा जल में वायुमंडलीय ऑक्सीजन वदियमान होता है ।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-II और कथन-III दोनों सही हैं तथा दोनों, कथन-I की व्याख्या करते हैं
(b) कथन-II और कथन-III दोनों सही हैं, कति उनमें से केवल एक, कथन-I की व्याख्या करता है ।
(c) कथन-II और कथन-III में से केवल एक सही है और वह कथन-I की व्याख्या करता है ।
(d) न तो कथन-II, न ही कथन-III सही है ।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अपक्षय एक ऐसा पद है जो उस सामान्य प्रक्रिया का वर्णन करता है जिसके द्वारा पृथ्वी की सतह पर शैल वधित होकर अवसाद, चकिनी मृदा, मट्टी और जल में वधियजति पदार्थों में परिवर्तित हो जाती है ।
 - अपक्षय जैविक, रासायनिक या भौतिक हो सकता है ।
- वर्षा और तापमान शैलों के अपक्षय की दर को प्रभावित कर सकते हैं । अधिक वर्षा से रासायनिक अपक्षय की दर बढ़ जाती है ।
 - उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में शैलें प्रचुर वर्षा और गरम तापमान के संपर्क में आते हैं जो ठंडे, शुष्क क्षेत्रों में पाए जाने वाली समान शैलों की तुलना में बहुत तेजी से अपक्षयित होती हैं । अतः कथन I सही है ।
- वायु से कार्बन डाइऑक्साइड वर्षा के जल में वधियजति हो जाती है, जिससे यह थोड़ा अम्लीय हो जाता है । सामान्यतः वर्षा का pH लगभग 5.6 होता है, यह थोड़ा अम्लीय होता है क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) इसमें वधियजति होकर दुर्बल कार्बोनिक अम्ल बनाता है । अतः कथन II सही है ।
 - जब वर्षा का जल शैल में वदियमान खनजिों के संपर्क में आता है, तो एक अभिक्रिया हो सकती है, जिससे अपक्षय होता है ।
 - अम्लीय वर्षा का pH सामान्य तौर पर 4.2 और 4.4 के बीच होता है ।
- ऑक्सीजन अपातित वर्षा जल से प्राप्त सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है ।
 - यह वधियजति ऑक्सीजन जल के अणु में वदियमान ऑक्सीजन के समान नहीं है । वायुमंडल के संपर्क के कारण सभी वर्षा जल और सतही आपूर्ति में वधियजति ऑक्सीजन वदियमान होती है । अतः कथन III सही है ।
 - वर्षा जल में आमतौर पर सभी प्रकार के वलियति ठोस पदार्थ नहीं होते, लेकिन इसमें वलियति गैसों (कार्बन, नाइट्रोजन और सल्फर के ऑक्साइड) होती हैं, जिसके कारण इसका pH मान लगभग 5.5 या उससे कम होता है ।
- उपर्युक्त से, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कथन II और कथन III दोनों सही हैं तथा कथन I की व्याख्या करते हैं ।

अतः विकल्प (a) सही है ।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kegy206.pdf>

<https://www.bgs.ac.uk/discovering-geology/geological-processes/weathering/>

<https://www.freedrinkingwater.com/blogs/water-health/710-oxygen-water>

<https://www.freedrinkingwater.com/blogs/water-health/710-oxygen-water#:~:text=Oxygen%20gas%20is%20one%20of,to%20contact%20with%20the%20atmosphere.>

58. नमिनलखिति देशों पर वचिार कीजयि :

1. फनिलैंड
2. जर्मनी
3. नॉर्वे
4. रूस

उपर्युक्त में से कतिने देशों की सीमा उत्तरी समुद्र के साथ लगती है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- उत्तरी समुद्र, अटलांटिक महासागर के कई समुद्रों में से एक है। यह उत्तर-पूर्वी अटलांटिक क्षेत्र का भाग है और यह इंग्लिश चैनल के मध्यम से अटलांटिक महासागर से मलिता है।



- यह अटलांटिक का 13वाँ सबसे बड़ा समुद्र है, जो लगभग 570,000 वर्ग किलोमीटर या महासागर के लगभग 0.5% हिस्से को कवर करता है।

- यह लगभग 970 कमी. लंबा तथा 580 कमी. चौड़ा है और यूरोप के उत्तर-पश्चिमी महाद्वीपीय कनारों के समानांतर वस्तितारति है।
- उत्तरी सागर क्षेत्र, यूरोप की कुछ सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं के साथ सीमा साझा करता है।
 - इस समुद्र के पश्चिम में ग्रेट ब्रिटेन (स्कॉटलैंड और इंग्लैंड) है।
 - जर्मनी, बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे जैसे उत्तरी एवं मध्य यूरोपीय देश पूर्व तथा पश्चिम में इस समुद्र से संलग्न हैं।
- **फिनलैंड और रूस** उत्तरी समुद्र के साथ सीमा साझा नहीं करते हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: <https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/uk-s-north-sea-drilling>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.worldatlas.com/seas/north-sea.html>

59. निम्नलिखित सूचना पर विचार कीजिये :

	जलप्रपात	क्षेत्र	नदी
1.	धुआंधार	मालवा	नर्मदा
2.	हुंडरू	छोटा नागपुर	सुवर्णरेखा
3.	गेरसोपपा	पश्चिमी घाट	नेत्रवती

उपर्युक्त सूचना में से कतिनी पंक्तियाँ सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत के हृदय में शक्तिशाली नर्मदा द्वारा अपरदति, भेड़ाघाट की संगमरमर की चट्टानों तथा मध्य प्रदेश के जबलपुर ज़िले में धुआंधार जलप्रपात स्थित है।
 - मालवा (पश्चिम-मध्य उत्तरी भारत का एक क्षेत्र) मध्य प्रदेश राज्य के पश्चिमी भाग में ज्वालामुखीय पठार पर स्थित है।
 - इस क्षेत्र में मध्य प्रदेश के देवास, धार, इंदौर, झाबुआ, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन और गुना तथा सहारनपुर के कुछ भागों के साथ राजस्थान के झालावाड़, बाँसवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ ज़िले के कुछ भाग शामिल हैं।
 - इसमें जबलपुर शामिल नहीं है। इस प्रकार धुआंधार जलप्रपात, हालाँकि नर्मदा नदी पर स्थित है लेकिन मालवा पठार का हिस्सा नहीं है। अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- हुंडरू/हुंडरू जलप्रपात, राँची में सुवर्णरेखा नदी पर है, जहाँ यह 320 फीट की ऊँचाई से गरित है तथा यह राज्य का सबसे ऊँचा जलप्रपात है।
 - यह राँची के मुख्य शहर से 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
 - यह जलप्रपात छोटा नागपुर पठार के मनोरम दृश्य को पसंद करने वाले आगंतुकों के लिये आश्चर्य का केंद्र है। अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।
- कर्नाटक का एक प्रमुख आकर्षण केंद्र, गेरसोपपा जलप्रपात (जोग जलप्रपात), कर्नाटक के शिमोगा ज़िले में स्थित है।
 - राजा, रानी, रोवर और रॉकेट के नाम से जाने जाने वाले चार झरने, शरावती नदी (नेत्रवती नदी पर नहीं) पर वशाल जलप्रपात बनाने के क्रम में वलीन हो जाते हैं। अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।
 - शरावती नदी बेसनि पश्चिमी घाट के मध्य भाग में स्थित है।
- केवल एक युग्म सही सुमेलित है: हुंडरू-छोटा नागपुर-सुवर्णरेखा

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

Source:

Drishti IAS link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://ranchi.nic.in/tourist-place/hundru-waterfall/#:~:text=The%20Hundru%20Falls%20Ranchi%20is%20created%20on%20the%20course%20of,place%20and%20a%20picnic%20spot.>

<https://jabalpur.nic.in/en/tourist-place/dhuadhar-water-fall/>

https://kbb.karnataka.gov.in/storage/pdf-files/Completed%20Projects/SCR22_ETR52_Ecological%20Profile%20of%20Sharavathi%20River%20Basin.pdf

60. नमिनलखिति सूचना पर वचिर कीजयि :

	क्षेत्र	परवत शंखला का नाम	परवत का प्रकार
1.	मध्य एशिया	वॉसजेस	वलति परवत
2.	यूरोप	आल्प्स	भ्रंशोत्थ (बलॉक) परवत
3.	उत्तर अमेरिका	अप्लेशियन	वलति परवत
4.	दक्षिण अमेरिका	एंडीज़	वलति परवत

उपरयुक्त सूचना में से कतिनी पंक्तियाँ सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भ्रंशोत्थ परवत का नरिमाण तब होता है जब कोई बड़ा भू-भाग वघिटति होता है तथा वघिटति भाग ऊर्ध्वाधर रूप से वसिथापति हो जाते हैं।
 - ऊपर उठे हुए खंड को **उत्खंड (होर्सट्स)** कहा जाता है तथा नीचे धँसे हुए खंड को **द्रोणी भ्रंश** कहा जाता है।
 - यूरोप (मध्य एशिया नहीं) में **राइन घाटी और वॉसजेस परवत** ऐसी परवत प्रणालियों के उदाहरण हैं। अतः युग 1 सही सुमेलति नहीं है।
- **हिमालय परवत और यूरोप में आल्प्स ऊबड़-खाबड़ उच्चावच और ऊँची शंक्वाकार चोटियों वाले युवा वलति परवत हैं। अतः युग 2 सही सुमेलति नहीं है।**
- उत्तरी अमेरिका में **अप्लेशियन** और रूस में **यूराल परवत गोलाकार आकृति वाले तथा कम उन्नतांश वाले हैं। वे बहुत पुराने वलति परवत हैं। अतः युग 3 सही सुमेलति है।**
- **एण्डीज़** विश्व की सबसे लंबी परवत शंखला है।
 - वे **दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ वसित हैं।**
 - यहाँ, **नाज़का प्लेट दक्षिण अमेरिकी प्लेट के नीचे की ओर बढ़ रही है। एंडीज़ ज़्यादातर दक्षिण अमेरिकी प्लेट की चट्टानों से वलति हुए हैं। अतः युग 4 सही सुमेलति है।**
- अतः केवल दो युग सही सुमेलति हैं: उत्तरी अमेरिका-अप्लेशियन-वलति परवत और दक्षिणी अमेरिका-एंडीज़-वलति परवत।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://ncert.nic.in/ncerts/l/fess206.pdf>

<https://education.nationalgeographic.org/resource/fold-mountain/4th-grade/>

61. जीव “सकिडा (साइकेडा), मंडूकफुदक (फ्रॉगहॉपर) और ताल-वसिर्पी (पाँड स्केटर)” क्या हैं?

- (a) पक्षी
- (b) मत्स्य
- (c) कीट
- (d) सरीसृप

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सकिडा ऐसे कीट हैं जो अपना अधिकांश जीवन भूमिगत रूप से नमिफ के रूप में बताने के साथ पेड़ की जड़ों से रस चूसते हैं। नर कीट अपने शरीर के कनिारों पर उपस्थिति झलिली को हलाकर "गुनगुनाने" की आवाज़ करते हैं।
- फ्रॉगहॉपर, सुपरफैमिली सर्कोपोइडिया से संबंधित एक कीट है। शीर्ष पर नुकीले होने के साथ इनके शरीर का मध्य भाग संकीर्ण होता है तथा यह कूदने वाले मेंढक की तरह दखिते हैं।
- पाँड स्केटर (जसि वॉटर स्ट्राइडर के नाम से भी जाना जाता है) लंबे पादयुक्त वाले कीट समूह हैं जो जल की सतह पर रहते हैं। वे हेमपिटेरा वर्ग से संबंधित हैं, जसिमें एफडिस, बेडबग्स और सकिडा भी शामिल हैं।

अतः विकल्प (c) सही है।

Sources:

Drishti IAS

Link: <https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/cicadas#:~:text=Cicadas%20are%20insects%20that%20belong,have%20two%20pairs%20of%20wings.>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://naturalhistory.si.edu/education/teaching-resources/life-science/periodical-cicadas>

<https://www.wlqf.org/froghoppers.html>

<https://a-z-animals.com/animals/pond-skater/>

62. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि :

कथन-I: बाज़ार में मलिनै वाली अनेक चयुङ्ग गम पर्यावरणीय प्रदूषण का स्रोत मानी जाती हैं।

कथन-II : अनेक चयुङ्ग गमों में गोंद (गम बेस) के रूप में प्लास्टिक होता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
- (c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है।
- (d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बाज़ार में मलिनै वाली कई चयुङ्ग गम नॉन-बायोडगिरेडेबल होती हैं। चपिचपिहट तथा नॉन-बायोडगिरेडेबल प्रकृतिके कारण गम को पर्यावरण प्रदूषण का स्रोत माना जाता है। अतः कथन-I सही है।
- कई चयुङ्ग गम के गम बेस में प्लास्टिक होता है, जो आमतौर पर पॉलीविनाइल एसीटेट (PVA) होता है। प्रतविरष चयुङ्ग गम से 105 टन से अधिक "प्लास्टिक" कचरा उत्पन्न होता है।

- इसके अनुसार च्युइंग गम के अवशेष को एक खतरनाक पर्यावरण प्रदूषक माना जा सकता है। अतः कथन-II सही है।
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन I की सही व्याख्या है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://ecofreek.com/biodegradable/is-gum-biodegradable/>

https://www.researchgate.net/figure/Percent-of-biodegradability-of-bio-A-and-synthetic-B-chewing-gums-over-a-20-weeks_fig1_325792519#:~:text=Commercially%2C%20chewing%20gum%20is%20produced,as%20a%20dangerous%20environmental%20pollutant.

<https://gudgum.in/products/raspberry-gum-15-pieces-per-pack-21g#:~:text=Yes%2C%20you%20read%20that%20right,surroundings%20for%20years%20on%20end!>

63. निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये :

देश	अपने प्राकृतिक आवास में पाया जाने वाला जंतु
1. ब्राज़ील	इंड्री
2. इंडोनेशिया	एल्क
3. मेडागास्कर	बोनोबो

उपर्युक्त युगों में से कितने सही सुमेलित हैं?

- केवल एक
- केवल दो
- सभी तीन
- कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- इंड्री, मेडागास्कर का स्थानिक है। ये जंतु मेडागास्कर के उत्तर-पूर्वी भाग में मिलते हैं। यह एक संकटग्रस्त प्रजाति है। अतः युग एक सही सुमेलित नहीं है।
- एल्क (लाल हरिण) उत्तरी अमेरिका तथा मध्य एशिया के ऊँचे पहाड़ों में पाया जाता है।
 - पारंपरिक रूप से इनकी सीमा नॉर्वे में 65 डिग्री उत्तर से लेकर अफ्रीका के 33 डिग्री उत्तर तक है।
 - एल्क आयरलैंड, अर्जेंटीना, चिली, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में पाया गया है। अतः युग दो सही सुमेलित नहीं है।
- बोनोबो को केवल कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में कांगो नदी के दक्षिण में स्थित जंगलों में देखा जा सकता है। अतः युग तीन सही सुमेलित नहीं है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: <https://www.drishtias.com/daily-news-analysis/madagascars-indigenous-species>

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/mining-threatens-african-great-apes>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.britannica.com/animal/indri-lemur-species>

<https://www.worldwildlife.org/species/bonobo>

<https://www.britannica.com/animal/elk-mammal>

https://animaldiversity.org/accounts/Indri_indri/

https://animaldiversity.org/accounts/Cervus_elaphus/

64. विश्व शौचालय संगठन (वर्ल्ड टॉयलेट ऑर्गनाइज़ेशन) के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. यह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसयिों में से एक है ।
2. वैशवकि स्वच्छता संकट के समाधान पर कार्रवाई हेतु प्रेरति करने के लयि विश्व शौचालय शखिर सम्मेलन, विश्व शौचालय दविस और विश्व शौचालय कॉलेज इस संगठन की पहल हैं ।
3. इसके कार्यों का मुख्य लक्ष्य कम वकिसति देशों और वकिसशील देशों को खुले में शौच की समाप्तके लक्ष्य की प्राप्तके लयि नधिप्रदान करना है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
- (b) केवल 3
- (c) 1 और 2
- (d) 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- विश्व शौचालय संगठन (WTO) एक वैशवकि गैर-लाभकारी संगठन है जो विश्व भर में शौचालय तथा स्वच्छता की स्थति में सुधार हेतु प्रतबिद्ध है। इसे वर्ष 2013 में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के तहत परामर्शदात्री (Consultative) का दर्जा दिया गया था। अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- WTO ने वर्ष 2001 में विश्व शौचालय दविस तथा विश्व शौचालय शखिर सम्मेलन की शुरुआत की। इसके बाद वर्ष 2005 में विश्व शौचालय कॉलेज की स्थापना की गई। अतः कथन 2 सही है ।
- WTO शौचालय संघों, सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसयिों एवं कॉर्पोरेट हतिधारकों के बीच जानकारी का आदान-प्रदान करने तथा स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतयिों को बढ़ावा देने के प्रयास में मीडिया एवं कॉर्पोरेट समर्थन का लाभ उठाने हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। अतः कथन 3 सही नहीं है ।

अतः वकिल्प (a) सही है ।

Source:

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/world-toilet-day-1>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://worldtoilet.org/web-agency-gb-about-us/>

65. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

1. सहि की कोई वशिष प्रजनन ऋतु नहीं होती है ।

2. अधिकांश अन्य बड़ी बलिलियों से भिन्न, चीता दहाड़ता नहीं है।
3. नर सहि से भिन्न, नर तेंदुए गंध चहिन द्वारा अपना क्षेत्र घोषति नहीं करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सहि की कोई वशिष प्रजनन ऋतु नहीं होती है। मादा सहि लगभग हर दो वर्ष में गर्भ धारण करती है।
 - इनका औसत गर्भधारण तीन से चार महीने का होता है और आमतौर पर एक से चार शावकों की सीमा होती है। अतः कथन 1 सही है।
- चीते "गुर्राने वाली बलिलियों" के उप-समूह से संबंधित हैं, इसलिये यह दहाड़ते नहीं हैं।
 - "दहाड़ने वाली बलिलियों" (सहि, बाघ, जगुआर और तेंदुए) में एक अपूर्ण रूप से अस्थकृत कंटिका (Hyoid) होती है जिससे ये दहाड़ने में सक्षम होते हैं लेकिन गुर्राने में नहीं। अतः कथन 2 सही है।
- नर और मादा तेंदुए, दोनों ही अपने क्षेत्रों को चहिनति करने के लिये मूत्र की गंध का उपयोग करते हैं तथा गंध चहिन द्वारा अपना क्षेत्र घोषति करते हैं। अतः कथन 3 सही नहीं है।
 - तेंदुए अक्सर अपने क्षेत्र में घूमते समय अपने चेहरे तथा गर्दन को वनस्पति पर रगड़ते हुए भी देखे जाते हैं।
 - ऐसा करके तेंदुआ अपनी ग्रंथियों के स्राव के माध्यम से अन्य तेंदुओं को संदेश पहुँचाते हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://zooatlanta.org/animal/african-lion/>

<https://seaworld.org/animals/all-about/cheetah/communication/#:~:text=%22Roaring%20cats%22%20>

<https://www.wildlifeact.com/blog/how-do-leopards-mark-their-range#:~:text=Both%20sexes%20use%20urine%20to,carried%20during%20territorial%20boundary%20patrols.>

66. नमिनलखिति में से कौन-सा "100 मिलियन किसानों" का सही वविरण है?

- (a) यह नेट-शून्य (कार्बन), प्रकृत-सकारात्मक खाद्य और जल प्रणालियों की ओर संक्रमण को तेज़ करने के लिये एक मंच है जिसका लक्ष्य किसानों की पुनरुत्थानशीलता में वृद्धि करना है।
- (b) यह जैविक पशुपालन के विकास को सहायता देने एवं सशक्त करने में इच्छुक व्यक्तियों और कृषि संगठनों का एक नेटवर्क और एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है।
- (c) यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरी तरह से सेवा प्रदाताओं के साथ एकीकृत है और ब्लॉक-चेन पर नरिमति है, जो क्रेताओं, विक्रेताओं और तीसरे पक्षकारों को शीघ्र और सुरक्षित रूप से उर्वरकों का व्यापार करने की सुविधा प्रदान करता है।
- (d) यह एक मंच है जिसका ध्येय किसानों को कृषक उत्पाद संगठनों अथवा कृषि-व्यवसाय संघ बनाने के लिये प्रोत्साहित करना है, जिससे उन्हें उनके उत्पादों को बेचने के लिये वैश्विक खुले बाजारों में पहुँच प्राप्त करने की सुविधा मिलती है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- "100 मिलियन किसानों" एक ऐसा मंच है जो नज्ी एवं सार्वजनिक भागीदारों को वैश्विक जलवायु तथा प्रकृति एजेंडे के संदर्भ में खाद्य पदार्थों तथा किसानों को केंद्रीय स्तंभों के रूप में स्थापित करने एवं जलवायु तथा प्रकृति के अनुकूल कृषि प्रथाओं को बढ़ाने के लिये सामूहिक

कार्रवाई में तेज़ी लाने में सहायता करता है।

- इसमें खाद्य और जल प्रणालियों की ओर संक्रमण को तेज़ करने के साहसिक उद्देश्य शामिल हैं जो शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के साथ प्रकृति एवं कृषकों के अनुकूल हो।
- विश्व की कृषक आबादी के पाँचवें हिस्से को लक्षित करते हुए, इस पहल का उद्देश्य एक सौ मिलियन किसानों तक पहुँचना है ताकि एक ऐसे महत्त्वपूर्ण पड़ाव तक पहुँचा जा सके जो खाद्य और जल प्रणालियों के भविष्य को आकार दे सके।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://initiatives.weforum.org/100-million-farmers/home>

67. नमिनलखिति पर वचिार कीजयि:

1. बैटरी भंडारण
2. बायोमास जनरेटर
3. ईंधन सेल
4. रूफटॉप सौर प्रकाश-वोल्टीय यूनिट

उपर्युक्त में से कतिने “वतिरति ऊर्जा संसाधन” माने जाते हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वतिरति ऊर्जा संसाधन (DER) अक्सर छोटी उत्पादन इकाइयों को संदर्भित करते हैं जो मीटर में उपभोक्ता पक्ष की ओर स्थापित होते हैं।
- वतिरति ऊर्जा संसाधनों के उदाहरणों में नमिनलखिति शामिल हैं:
 - बैटरी भंडारण
 - बायोमास जनरेटर, जो अपशिष्ट गैस या औद्योगिक और कृषि-उत्पादों से ईंधन प्राप्त करते हैं।
 - ईंधन सेल
 - रूफटॉप सौर फोटोवोल्टिक इकाइयाँ।
- DER के अन्य उदाहरणों में पवन उत्पादन इकाइयाँ, खुले और बंद चक्र वाले गैस टर्बाइन, हाइड्रो एवं मनि-हाइड्रो स्कीम आदि शामिल हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/daily-news-analysis/draft-policy-framework-for-distributed-renewable-energy>

Other Authentic and Standard Sources:

[https://www.aemc.gov.au/energy-system/electricity/electricity-system/distributed-energy-resources#:~:text=Distributed%20energy%20resources%20\(DER\)%20refers,battery%20storage](https://www.aemc.gov.au/energy-system/electricity/electricity-system/distributed-energy-resources#:~:text=Distributed%20energy%20resources%20(DER)%20refers,battery%20storage)

[https://www.iea.org/reports/unlocking-the-potential-of-distributed-energy-resources#:~:text=Distributed%20energy%20resources%20\(DERs\)%20are,solar%20panels%20and%20battery%20storage.](https://www.iea.org/reports/unlocking-the-potential-of-distributed-energy-resources#:~:text=Distributed%20energy%20resources%20(DERs)%20are,solar%20panels%20and%20battery%20storage.)

<https://www.nrel.gov/docs/fy02osti/31570.pdf>

68. नमिनलखिति में से कौन-सा वृक्ष, एक ऐसे कीट के साथ एक अद्वितीय संबंध को दर्शाता है जो इस वृक्ष के साथ सह-वकिसति हुआ है और वह एकमात्र कीट है जो इस पेड़ को परागति कर सकता है?

- (a) अंजीर
- (b) महुआ
- (c) चंदन
- (d) सेमल (सलिक कॉटन)

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अंजीर का पेड़ (फिकस माइक्रोकार्पा) अपनी वायवी मूल के लिये प्रसिद्ध है, जो शाखाओं से अंकुरित होता है और अंततः मटिटी तक पहुँच जाता है।
- इस वृक्ष का एक कीट के साथ भी अद्वितीय संबंध है जो इसके साथ ही वकिसति होता है और एकमात्र कीट है जो इसे परागति कर सकता है।
- कीट के शरीर का आकार और माप अंजीर के फल के समान ही होता है तथा अंजीर की प्रत्येक प्रजाति अपने वशिष्ट परागणकर्त्ता कीटों को आकर्षित करने के लिये एक वशिष्ट सुगंध उत्पन्न करती है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://news.illinois.edu/view/6367/1023624754#:~:text=%E2%80%94%20The%20banyan%20fig%20tree%20Ficus,i%20nsect%20that%20can%20pollinate%20it.>

69. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि :

1. ततिली
2. मत्स्य
3. मंडूक (मेंढक)

उपरयुक्त में से कतिनों में वषिकत् जातयिँ हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कई ततिलयिँ में ज़हरीले रसायन होते हैं। इनके चमकीले रंग शकियिँ को खतरे के प्रतआगाह करते हैं।
 - रेड लेसवगि को पराग से लंबा जीवन और वषि दोनों ही मलिते हैं तथापैशन फ्लावर को ग्रहन करने से यह कैंटरपलिर की तरह वषि का

संग्रहण करते हैं।

- इनके शरीर में पराग, साइनोजेनिक ग्लाइकोसाइड नामक वषिकृत पदार्थों में परिवर्तित हो जाता है।
- मत्स्य की वभिन्न प्रजातियों में जहरीले बायोटॉक्सिन होते हैं।
 - गुरुपरस, बाराकुडा, मोरे ईल, स्टर्जन, सी बास, रेड स्नैपर, एंबरजैक, मैकेरल, पैरट फशि, सर्जनफशि और ट्रगिरफशि जैसी कुछ मछलियाँ वषिकृतता का कारण बन सकती हैं।
- कुछ मेंढक जहरीले हो सकते हैं।
 - जहरीले मेंढक अपनी त्वचा में एल्कलॉइड जैसे वषिकृत पदार्थों का उत्पादन एवं भंडारण करते हैं, जसिसे उन्हें छूना हानिकारक हो जाता है।
 - उन्हें आमतौर पर **पॉइज़न डार्ट मेंढक** कहा जाता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.discoverwildlife.com/animal-facts/insects-invertebrates/poisonous-butterflies>

<https://www.hopkinsmedicine.org/health/conditions-and-diseases/fish-poisoning#:~:text=Certain%20fish%E2%80%9494groupers%2C%20barracudas%2C,eating%20moray%20eel%20or%20barracuda.>

<https://www.webmd.com/a-to-z-guides/what-to-know-about-poisonous-frogs>

<https://www.discoverwildlife.com/animal-facts/insects-invertebrates/poisonous-butterflies#:~:text=Yet%20they%20seem%20untroubled%20by,warn%20predators%20of%20the%20danger.>

70. नमिन्लखिति पर वचिर कीजयि:

1. काजू
2. पपीता
3. रक्त चंदन

उपर्युक्त में से कतिने वृक्ष वास्तव में भारत के देशीय वृक्ष हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- काजू (एनाकार्डियम ऑक्सीडेंटेल) ब्राज़ील के उषणकटबिधीय कषेत्रों का स्थानकि है।
 - काजू की खोज सबसे पहले वर्ष 1558 के आस-पास ब्राज़ील में यूरोपियों ने की थी।
 - पुर्तगाली लगभग वर्ष 1560 में गोवा में काजू लाए थे। इसलिये यह भारत का स्थानकि नहीं है।
- पपीते की खेती की उत्पत्ति दक्षिण मैक्सिको और कोस्टा रिका में हुई थी। 16वीं शताब्दी की शुरुआत में इसके उत्पादन को डोमनिकन गणराज्य और पनामा में देखा गया था। अतः यह भारत का स्थानकि नहीं है।
- रक्त चंदन भारत का स्थानकि है और केवल पूरवी घाट के दक्षिणी भागों में इसे देखा जा सकता है। अतः यह भारत का स्थानकि है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/daily-news-analysis/red-sanders>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://wholesalenutsanddriedfruit.com/history-of-the-cashew/>

<https://nhb.gov.in/Horticulture%20Crops/Papaya/Papaya1.htm>

<https://www.traffic.org/publications/reports/factsheet-on-indias-red-sanders-in-illegal-wildlife-trade/#:~:text=As%20a%20native%20species%20to,are%20regulated%20by%20the%20State.>

71. नमिनलखिति वमिानपत्तनों पर वचिार कीजयि :

1. डोनी पोलो वमिानपत्तन
2. कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय वमिानपत्तन
3. वजियवाड़ा अंतरराष्ट्रीय वमिानपत्तन

हाल ही में, उपर्युक्त में से कनिका नरिमाण नवीन (ग्रीनफील्ड) परयिोजनाओं के रूप में कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- डोनी पोलो वमिानपत्तन एक ग्रीनफील्ड वमिानपत्तन है जो राजधानी ईटानगर में स्थिति है। यह सूर्य (डोनी) और चंद्रमा (पोलो) के प्रतिलोगों की श्रद्धा को दर्शाता है तथा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत का प्रतीक है।
- उत्तर प्रदेश के कुशीनगर ज़िले में कुशीनगर वमिानपत्तन एक ग्रीनफील्ड वमिानपत्तन है।
- भारतीय वमिानपत्तन प्राधिकरण ने आंध्र प्रदेश में वजियवाड़ा हवाई अड्डे का विकास/वसितार कयिा है। यह ग्रीनफील्ड परयिोजना का हसिसा नहीं है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: <https://www.drishtiiias.com/daily-news-analysis/kushinagar-international-airport>

Other Authentic and Standard Sources:

<https://www.aai.aero/en/airports/itanagar>

<https://sansad.in/getFile/annex/259/AU2087.pdf?source=pqars>

<https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1947374>

72. “जल वाष्प” के संदरभ में, नमिनलखिति में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

1. यह एक गैस है, जसिकी मात्रा ऊँचाई के साथ घटती है।
2. धरुवों पर इसका प्रतशित अधकितम है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जल वाष्प, जल का गैसीय रूप है। यह पृथ्वी की सबसे प्रचुर ग्रीनहाउस गैस है।
 - वायुमंडल की जल वाष्प का 99% हिस्सा क्षोभमंडल में होता है। ऊँचाई के साथ जल वाष्प की मात्रा तेज़ी से घटती है। अतः कथन 1 सही है।
- जल वाष्प की सांद्रता अक्षांशीय स्थिति (उत्तर से दक्षिण) के साथ बदलती रहती है। इसकी मात्रा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के ऊपर सबसे अधिक (लगभग 3% तक) होती है और ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर जाने पर इसकी मात्रा में कमी आती है। अतः कथन 2 सही नहीं है।

Source:

Drishti IAS Link: Not Available

Other Authentic and Standard Sources:

https://earthobservatory.nasa.gov/global-maps/MYDAL2_M_SKY_WV

<https://www.albany.edu/faculty/rgk/atm101/structur.htm>

<https://web.physics.ucsb.edu/~lgrace/chem123/troposphere.htm>

73. नमिनलखिति वविरण पर वचिर ककीजयि :

1. तापमानों की वार्षिक और दैनिक सीमा (रेंज) नमिन है।
2. वर्ष भर वर्षण होता है।
3. वर्षण में भननता 50cm - 250 cm के मध्य होती है।

यह कसि प्रकार की जलवायु है?

- (a) वषुवतीय जलवायु
- (b) चीन प्रकार जलवायु
- (c) आर्द्र उषणकटिबंधीय जलवायु
- (d) समुद्री पश्चिमि तटीय जलवायु

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- समुद्री पश्चिमि तटीय जलवायु महाद्वीपों के पश्चिमि तटों पर भूमध्य सागरीय जलवायु से ध्रुवों की ओर पाई जाती है।
 - इस जलवायु के प्रमुख क्षेत्र हैं- उत्तर-पश्चिमि यूरोप, उत्तरी अमेरिका का पश्चिमि तट, उत्तरी कैलिफोर्निया, दक्षिण चिली, दक्षिण-पूर्वी आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड। यहाँ समुद्री प्रभाव के कारण तापमान मध्यम होते हैं और शीत ऋतु में अपने अक्षांशों की तुलना में कोषण होते हैं।
 - ग्रीष्म ऋतु में औसत तापमान 15° से 20° सेल्सियस और सर्दियों में 4° से 10° सेल्सियस के बीच रहता है। वार्षिक और दैनिक तापान्तर कम पाया जाता है। वर्ष भर वर्षा होती है लेकिन यह सर्दियों में अधिक होती है। वर्षण 50 सेमी. से 250 सेमी. के बीच घटती बढ़ती रहती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

NCERT CLASS XI (PHYSICAL GEOGRAPHY) | Chapter 11: World Climate and Climate Change | Page No. 94

74. “कोरऑलसि बल” के संदर्भ में, नमिनलखिति में कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

1. यह पवन वेग की वृद्धि के साथ बढ़ता है।
2. यह ध्रुवों पर सर्वाधिक है और भूमध्यरेखा (इक्वेटर) पर वदियमान नहीं होता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूर्णन पवनों की दिशा को प्रभावित करती है। इसका नाम फ्रांसीसी गणितज्ञ और इंजीनियर गैसपार्ड-गुस्ताव डी कोरऑलसि के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में पहली बार इसका गणितीय वर्णन किया था। यह उत्तरी गोलार्द्ध में पवन को दाईं ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में बाईं ओर मोड़ देता है।
 - जब पवनों का वेग अधिक होता है, तब वक्रियण भी अधिक होता है। अतः कथन 1 सही है।
- कोरऑलसि बल अक्षांशों के कोण के समानुपात में बढ़ता है। यह बल ध्रुवों पर सर्वाधिक और भूमध्यरेखा (इक्वेटर) पर अनुपस्थित होता है।
 - भूमध्यरेखा (वृत्त) पर कोरऑलसि बल शून्य होता है और पवनों समदाब रेखाओं के समकोण पर बहती हैं। अतः नमिन दाब क्षेत्र और अधिक गहन होने की बजाय पूरति हो जाता है। यही कारण है कि वृत्त के निकट उष्णकटिबंधीय चक्रवात नहीं बनते। अतः कथन 2 सही है।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

NCERT CLASS XI (PHYSICAL GEOGRAPHY) | Chapter 9 : Atmospheric Circulation and Weather Systems | Page No. 79

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtiiias.com/sambhav-daily-answer-writing-practice/papers/2023/tri-cellular-model-atmospheric-circulation-emphasis-forces-responsible-model-understand-term-precipitation-world-distribution-rainfall-gspaper1-geography/print#:~:text=Coriolis%20Force%3A%20The%20Coriolis%20force,polar%20cells%20to%20blow%20eastward.>

75. प्रत्येक वर्ष 21 जून को, नमिनलखिति में से कसि अक्षांश/कनि अक्षांशों पर 12 घंटे से अधिक समय तक सूर्य का प्रकाश वदियमान रहता है?

1. भूमध्यरेखा (इक्वेटर)
2. कर्क रेखा
3. मकर रेखा
4. उत्तर ध्रुवीय (आर्कटिक) वृत्त

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2

- (c) 3 और 4
(d) 2 और 4

उत्तर: (d)

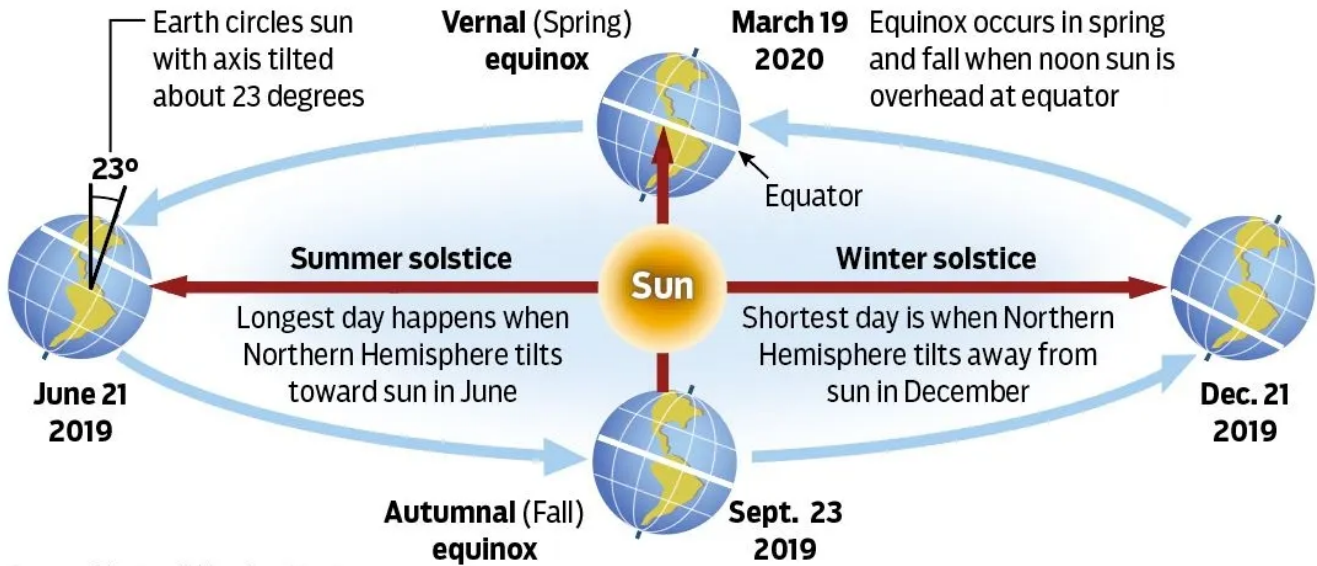
व्याख्या:

- 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य की तरफ झुका होता है। सूर्य की करिणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं। इसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में ऊष्मा अधिक प्राप्त होती है। ध्रुवों के पास वाले क्षेत्रों में कम ऊष्मा प्राप्त होती है, क्योंकि वहाँ सूर्य की करिणें तिरछी पड़ती हैं। उत्तरी ध्रुव सूर्य की तरफ झुका होता है तथा उत्तरी ध्रुव रेखा के बाद वाले भागों पर लगभग 6 महीने तक लगातार दनि रहता है।
 - उत्तर अयनांत के दौरान भूमध्य रेखा से जतिना अधिक उत्तर की ओर बढ़ा जाए, उतना ही अधिक सूर्य का प्रकाश मिलता है।
- चूँकि उत्तरी गोलार्द्ध के बहुत बड़े भाग में सूर्य का प्रकाश प्राप्त होता है, इसलिये वषुवत वृत्त के उत्तरी भाग में गर्मी का मौसम होता है। 21 जून को इन क्षेत्रों में सबसे लंबा दनि तथा सबसे छोटी रात होती है।
 - इस समय दक्षिणी गोलार्द्ध में ये सभी स्थितियाँ विपरीत होती हैं। वहाँ सर्दी होती है। रातें, दनि से बड़ी होती हैं। पृथ्वी की इस स्थिति को उत्तर अयनांत कहते हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

When a solstice or equinox occurs

A guide to the astronomical events in the coming year



Sources:

NCERT CLASS VI | Chapter 3 : Motions of the Earth | Page No. 20

<https://statesman.com/gcdn/authoring/2019/06/20/NAAS/ghows-TX-8bc81caf-102f-3403-e053-0100007fc66d-751b5106.jpeg>

Drishti IAS Link:

<https://www.drishtias.com/daily-news-analysis/summer-solstice-21st-june>

76. नमिनलखिति क्शेतरों में से एक में वशिव की सबसे बड़ी उषणकटबिंधीय पीट-भूमि है, जो जीवाश्म ईधन से होने वाले लगभग तीन वर्ष के वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को धारण करता है; और जिसके संभाव्य वनिाश से वैश्विक जलवायु पर प्रतकूल प्रभाव पड सकता है।

नमिनलखिति में से कौन-सा उस क्शेतर को द्योतति करता है?

- (a) अमेज़न बेसनि
- (b) कांगो बेसनि
- (c) ककिरी बेसनि
- (d) रयो डे ला प्लाटा बेसनि

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बराज़ील और इंडोनेशिया के साथ कांगो बेसनि वशिव की सबसे बड़ी उषणकटबिंधीय पीट-भूमिका स्थल है। कांगो बेसनि के पीट दलदली वन में लगभग 29 बलियन टन कार्बन संग्रहण रहता है- जो वैश्विक गरीनहाउस गैस उत्सर्जन के तीन वर्ष के बराबर है- जबकि इस पूरे बेसनि में प्रतविरष लगभग 1.5 बलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण होता है।
- यह बेसनि छह देशों में वसितारति है- कैमरून, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी और गैबॉन।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source:

<https://www.unep.org/news-and-stories/story/critical-ecosystems-congo-basin-peatlands#:~:text=Many%20of%20the%20discussions%20will,along%20with%20Brazil%20and%20Indonesia>

77. कई उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण के लिये प्रयुक्त होने वाले परफ्लुओरोएल्कलि और पॉलफ्लुओरोएल्कलि पदार्थों (PFAS) के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजिये :

1. PFAS पेयजल, खाद्य और खाद्य पैकेजिंग सामग्रियों में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
2. PFAS पर्यावरण में आसानी से नमिनीकृत (डिग्रेडेड) नहीं होते हैं।
3. PFAS के लगातार संपर्क के परिणामस्वरूप जंतुओं के शरीर में जैवसंचय हो सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- परफ्लुओरोएल्कलि और पॉलफ्लुओरोएल्कलि (PFAS) ऐसे रसायन हैं जो ग्रीस, तेल, जल और गर्मी के प्रतरोधक हैं। इनका पहली बार उपयोग 1940 के दशक में किया गया था और अब ये दाग-धब्बे तथा जल प्रतरोधी कपड़ों एवं कालीनों, सफाई उत्पादों, पेंट और अग्नशिमन फोम सहति सैकड़ों उत्पादों के भाग हैं। कुछ PFAS को FDA द्वारा कुकवेयर, खाद्य पैकेजिंग एवं खाद्य प्रसंस्करण उपकरणों में सीमति उपयोग हेतु अधिकृत किया गया है।
 - PFAS पेयजल, खाद्य पदार्थों, खाद्य पैकेजिंग सामग्रियों एवं अन्य उपभोक्ता उत्पादों में व्यापक रूप से पाए जाते हैं। अतः कथन 1 सही है।
- रासायनिक रूप से, PFAS बहुत भनिन हो सकते हैं। हालाँकि सभी में कार्बन-फ्लोरीन बंध होता है, जो बहुत मज़बूत होता है जिसके कारण आसानी से नमिनीकृत (डिग्रेडेड) नहीं होते हैं। अतः कथन 2 सही है।
- लोग वभिनिन तरीकों से वभिनिन PFAS रासायनिक पदार्थों के संपर्क में आ सकते हैं। समय के साथ लोगों के शरीर से जतिने रासायनिक पदार्थों का

नषिकासन हो रहा है, उससे ज़्यादा रासायनिक पदार्थ उनके शरीर में पहुँच सकते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे शरीर में जैवसंचय होता है **अतः कथन 3 सही है।**

अतः विकल्प (d) सही है।

Sources:

- <https://www.niehs.nih.gov/health/topics/agents/pfc>
- [National Institute of Environmental Health Sciences](#) & [Drishti IAS](#) & [US food & Drug Administration](#)

Drishti IAS Link:

- <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/forever-chemicals>

78. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि:

1. कैराबडि बीटल्स
2. कांतर (सेन्टपीड्स)
3. मक्खयिँ
4. दीमक
5. बरर (वास्प्स)

उपरयुक्त जीवों के कतिने प्रकार में परजीव्याभ जातयिँ (पैरासीटॉइड स्पीशीज़) पाई जाती हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) केवल चार
- (d) सभी पाँच

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- परजीव्याभ जातयिँ (पैरासीटॉइड स्पीशीज़) हमेशा ऐसे कीट एवं उनके लार्वा का समूह होते हैं जो भोजन के लयि कसिी अन्य पर नरिभर रहते हैं।
- परजीव्याभ में बरर (वास्प्स), मक्खयिँ (जैसे- टैचनिडि मक्खयिँ), बीटल्स (कैराबडि बीटल्स) और कीट (जैसे- गॉर्डयिन कीट) की प्रजातयिँ शामिल होती हैं।
- कांतर (सेन्टपीड्स) वशिष रूप से शकिारी होते हैं। ये लगभग हर छोटे और कोमल जंतु (जसिमें कीट एवं अन्य छोटे जीव शामिल होते हैं) को खाते हैं। इसलयि उन्हें परजीव्याभ नहीं माना जा सकता है।
- दीमक का भोजन मुख्य रूप से सेलयुलोज़ होता है जो लकड़ी, घास, पततयिँ, हयूमस और वनस्पतमूल की सामग्री (जैसे- कागज़, कार्डबोर्ड, कपास) से प्राप्त होता है। इसलयि दीमक को परजीव्याभ के रूप में वर्गीकृत नहीं कयिा जा सकता है।
- दयि गए विकल्पों में से केवल तीन परजीव्याभ हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।

Sources:

<https://www.sciencedirect.com/topics/earth-and-planetary-sciences/parasitoid>

<https://www.britannica.com/science/parasitoid>

<https://australian.museum/learn/animals/insects/predators-parasites-and-parasitoids/>

<https://www.britannica.com/animal/termite/Nutrition>

<https://www.sciencedirect.com/topics/agricultural-and-biological-sciences/carabidae>

79. नमिनलखिति पौधों पर वचिार कीजयि :

1. मूँगफली
2. कुलथी (हॉर्स-ग्राम)
3. सोयाबीन

उपर्युक्त में से कतिने मटर कुल (फैमिली) के हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मूँगफली या ग्राउंडनट (अरचसि हाइपोगयिा) फली या "बीन" - फैबेसी कुल (आमतौर पर मटर कुल के रूप में जाना जाता है) की एक प्रजाति है। विश्व में भारत, मूँगफली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
 - हॉर्स ग्राम (मैक्रोटाइलोमायूनफ्लोरम) फैबेसी कुल से संबंधित है और यह मुख्य रूप से एशियाई एवं अफ्रीकी देशों में उगाई जाने वाली छोटी या कम ज्ञात उपेक्षित फलियों में से एक है।
 - सोयाबीन मटर कुल से संबंधित है और यह खाद्य बीज है। यह आर्थिक रूप से विश्व की सबसे महत्त्वपूर्ण फलियाँ हैं, जो लाखों लोगों को वनस्पति प्रोटीन एवं सैकड़ों रासायनिक उत्पादों हेतु सामग्री प्रदान करती हैं।

अतः विकल्प (c) सही है।

Sources:

https://apeda.gov.in/apedawebsite/SubHead_Products/Ground_Nut.htm

https://agriexchange.apeda.gov.in/product_profile/prd_profile.aspx?categorycode=0501#:~:text=The%20groundnut%20belongs%20to%20the.in%20height.

<https://www.britannica.com/plant/soybean>

https://www.researchgate.net/figure/Nutritional-composition-of-horsegram-Macrotyloma-uniflorum-Lam-Verdc_tbl1_283023597

80. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

कथन-I: इंडियन फ्लाइंग फॉक्स को वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन 'पीड़क जंतु' की श्रेणी में रखा गया है।

कथन-II : इंडियन फ्लाइंग फॉक्स अन्य जंतुओं का रक्त पीता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, नमिनलखिति में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है।
- (c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है।
- (d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पटरोपस गर्गिटस, जिसे आमतौर पर इंडियन फ्लाइंग फॉक्स के रूप में जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप की चमगादड़ प्रजाति है।
- पटरोपस गर्गिटस को फलों के खेतों के प्रति अपनी विनाशकारी प्रवृत्ति के कारण भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में 'पीड़क जंतु' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। **अतः कथन I सही है।**
- इंडियन फ्लाइंग फॉक्स दुनिया में चमगादड़ों की सबसे बड़ी प्रजातियों में से एक है। इसके पंखों की लंबाई 1.2-1.5 मीटर होती है। ये चमगादड़ दक्षिण मध्य एशिया के लिये स्थानिक हैं।
- इंडियन फ्लाइंग फॉक्स अपने आहार में कीटों के साथ-साथ फलों को भी शामिल करती हैं, जिसमें रस और मकरंद युक्त फूल भी शामिल हैं। हालाँकि उनके पसंदीदा फल अंजीर हैं, लेकिन यह जंतु आम, अमरूद, केले और विभिन्न खेती वाले फलों का भी सेवन करते हैं। **अतः कथन II सही नहीं है।**

अतः विकल्प (c) सही है।

Sources:

<https://timesofindia.indiatimes.com/city/gurgaon/they-may-be-called-vermins-but-fruit-bats-are-vital-for-ecosystem/articleshow/81263203.cms>

<https://www.downtoearth.org.in/coverage/bat-tracks-14620>

https://animalia.bio/indian-flying-fox#google_vignette

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/indian-flying-fox-bat-pteropus-giganteus>



SCHEDULE - II
(See sections 9, 11, 12, 38-I, 39, 44, 45, 46, 47, 48, 48A, 49, 50, 51, 54 and 57)

PART A: MAMMALS

No.	Common Name	Scientific Name
-----	-------------	-----------------

c. 1]

THE GAZETTE OF INDIA EXTRAORDINARY

39

ANTELOPE

1.	Nilgai	<i>Boselaphus tragocamelus</i>
----	--------	--------------------------------

BADGERS

2.	Burmese/Large toothed Ferret Badger	<i>Melogale personata</i>
3.	Chinese/Small-toothed Ferret Badger	<i>Melogale moschata</i>

BATS

4.	Durga Das's Leaf-nosed Bat	<i>Hipposideros durgadasi</i>
5.	Indian Flying Fox	<i>Pteropus giganteus</i>
6.	Mitred Horseshoe Bat	<i>Rhinolophus mitratus</i>
7.	Peters's Tubenosed Bat	<i>Harpiola grisea</i>
8.	Rainforest Tube-nosed Bat	<i>Murina pluvialis</i>
9.	Sombre Bat	<i>Eptesicus tatei</i>

81. किसी अर्थव्यवस्था में कुल प्रजनन दर को किस रूप में परिभाषित किया जाता है?

- (a) एक वर्ष में जनसंख्या में प्रति 1000 व्यक्तियों पर जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या
- (b) किसी दी गई जनसंख्या में एक दंपति के जीवन-काल में उनसे जन्मे बच्चों की संख्या
- (c) जन्म दर घटा मृत्यु दर
- (d) एक महिला की गर्भधारण आयु (चाइल्ड-बेअरिंग एज) के अंत तक उनसे जन्मे जीवित बच्चों की औसत संख्या

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कुल प्रजनन दर (TFR):** सामान्य शब्दों में कुल प्रजनन दर (TFR) का तात्पर्य उन बच्चों की कुल संख्या से है जो किसी महिला के अपने जीवनकाल में पैदा होते हैं या होने की संभावना होती है। दूसरे शब्दों में प्रति महिला पर कुल बच्चों की औसत संख्या TFR कहलाती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

- <https://www.who.int/data/gho/indicator-metadata-registry/imr-details/123>

Drishti IAS Link:

- [https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/replacement-level-fertility#:~:text=India's%20total%20fertility%20rate%20\(TFR,Survey%20\(NFHS%2D5\).](https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/replacement-level-fertility#:~:text=India's%20total%20fertility%20rate%20(TFR,Survey%20(NFHS%2D5).)

82. नमिन्लखिति कथनों पर वचिार कीजयि :

1. भारत में, गैर-बैंकगि वत्तितीय कंपनयिँ भारतीय रज़िर्व बैंक की चल-नधि सिमायोजन सुवधि वडिो का लाभ उठा सकती हैं ।
2. भारत में, वदिशी संस्थागत नविशक सरकारी प्रतभूतयिँ (G-Secs) के धारक बन सकते हैं ।
3. भारत में, शेयर बाज़ार (स्टॉक एक्सचेंज) ऋणों के लयि पृथक् व्यापारकि मंच (ट्रेडगि प्लेटफॉर्म) प्रदान कर सकते हैं ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **चलनधि सिमायोजन सुवधि (LAF)** भारत में RBI द्वारा प्रयुक्त एक मौद्रकि नीति उपकरण है, जसिके माध्यम से वह बैंकगि प्रणाली में चलनधि को प्रवषिट या अवशोषति करता है ।
 - LAF का उपयोग बैंकों को आर्थकि अस्थरिता की अवधि के दौरान या उनके नरित्रण से परे बलों के कारण होने वाले कसिी भी अनय प्रकार के दबाव से नपिटने में सहायता के लयि कयिा जाता है । **यद्यपि NBFC बैंकगि संस्थाएँ नहीं हैं, इसलयि वे RBI की LAF वडिो तक नहीं पहुँच सकते हैं । अतः कथन 1 सही नहीं है ।**
- भारतीय रज़िर्व बैंक ने वर्ष 2018 में वदिशी पोर्टफोलयिो नविशकों या FPI को केंद्र सरकार द्वारा नरिगत कयि गए राजकोष बलिों में नविश करने की अनुमति दी थी । यद्यपि, नविशकों को यह सुनिश्चति करना होगा क सरकारी प्रतभूतयिँ के साथ-साथ एक वर्ष से कम की परपिक्वता वाले कॉरपोरेट बॉण्ड में उनका नविश कुल नविश के 20% से अधिक नहीं होना चाहयिे ।
 - **वदिशी नविशक, चाहे वे वदिशी संस्थागत नविशक (FII) के रूप में पंजीकृत हों या नहीं, FII मार्ग के बाहर भी भारतीय प्रतभूतयिँ में नविश कर सकते हैं । अतः कथन 2 सही है ।**
 - FII, अनविासी भारतीयों (NRI) तथा भारतीय मूल के व्यक्तयिँ (PIO) को पोर्टफोलयिो नविश योजना (PIS) के माध्यम से भारत में प्राथमकि और द्वत्तीयक पूंजी बाज़ारों में नविश करने की अनुमति है ।
- वर्ष 2018 में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने देश का पहला समरपति **'करेडिटि ट्रेडगि प्लेटफॉर्म'** शुरू कयिा ।
 - अलग-अलग ऋण ट्रेडगि प्लेटफॉर्म खुदरा नविशकों को एक चलनधि और पारदर्शी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर कॉरपोरेट बॉण्ड में नविश करने का अवसर प्रदान करता है । **अतः कथन 3 सही है ।**
- अतः वकिल्प (d) सही है ।

Sources:

- <https://www.businesstoday.in/latest/economy-politics/story/rbi-foreign-investors-treasury-bills-gsec-corporate-bonds-fpi-107906-2018-05-02>
- https://www.rbi.org.in/scripts/FS_FAQs.aspx?Id=79&fn=2757#6
- https://www.business-standard.com/article/markets/nse-launches-separate-debt-trading-platform-113051300554_1.html
- https://www.sebi.gov.in/sebi_data/commndocs/pt1b5_h.html

Drishti IAS Link:

- <https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/liquidity-adjustment-facility>

83. भारत में, नमिनलखिति में से कौन कॉर्पोरेट बॉण्डों और सरकारी प्रतभूतियों में व्यापार कर सकते हैं?

1. बीमा कंपनियों
2. पेंशन नधि
3. खुदरा नविशक

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये :

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्ष 2022 के आँकड़ों के अनुसार, बीमा कंपनियों प्रीमियम संग्रह में वृद्धि के कारण सरकारी प्रतभूतियों (G-Secs) पर अधिक नविश कर रही हैं, जबकि बैंक इन प्रतभूतियों में अत्यधिक नविश के कारण इस मोर्चे पर अपेक्षाकृत धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं। RBI के नवीनतम आँकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर 2019 को समाप्त तमिही में 24.9% से दिसंबर 2022 को समाप्त तमिही में **बीमा कंपनियों का सरकारी बॉण्ड में स्वामित्व बढ़कर 26.14% हो गया है।**
 - वर्ष 2021 में, **भारतीय बीमा वनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)** ने बीमा कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvITs) एवं रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REITS) द्वारा नरिगत ऋण प्रतभूतियों में नविश करने की अनुमति दी। इस कदम का उद्देश्य बीमा कंपनियों द्वारा रखे गए पोर्टफोलियो की समग्र उपज में सुधार करना है, साथ ही रियल एस्टेट क्षेत्र को अधिक दीर्घकालिक वित्तपोषण प्रदान करना है।
 - InvITs और REITS दोनों को सेबी द्वारा वनियमित किया जाता है।
 - **इसलिये, बीमा कंपनियों G-Secs और कॉर्पोरेट बॉण्ड दोनों में नविश कर सकती हैं।**
- **पेंशन नधि को ऐसे कॉर्पोरेट बॉण्ड /प्रतभूतियों में नविश करने की अनुमति है, जिनकी लागू रेटिंग स्केल में न्यूनतम 'A' रेटिंग या समकक्ष रेटिंग हो।**
 - विकास के वभिन्न उपायों के साथ, बाज़ार में सहकारी बैंकों, लघु पेंशन, भवषिय नधि और अन्य नधियों आदि जैसी लघु संस्थाओं का प्रवेश भी देखा गया है। **इन संस्थाओं को संबंधित वनियमों के माध्यम से G-Secs में नविश करना अनविर्य है।**
 - **अतः पेंशन नधि G-Secs और कॉर्पोरेट बॉण्ड दोनों में व्यापार कर सकते हैं।**
- **खुदरा नविशक बैंकों और RBI के साथ गलिट खाते खोलकर सीधे G-Sec में नविश कर सकते हैं।** रटिल डायरेक्ट स्कीम खुदरा नविशकों को प्राथमिक नीलामी में G-Sec खरीदने के साथ-साथ द्वितीयक बाज़ार में G-Sec खरीदने और बेचने की अनुमति देती है।
 - हाल ही में सेबी ने **नजिी तौर पर रखे जाने वाले कॉर्पोरेट बॉण्ड के न्यूनतम टिकट आकार को 1 लाख रुपए से घटाकर 10,000 रुपए कर दिया है।** इस कदम से **खुदरा नविशकों के लिये नविश का एक नया अवसर खुल गया है, जो पहले बाज़ार से बाहर थे।**
 - **अतः खुदरा नविशक G-Secs और कॉर्पोरेट बॉण्ड दोनों में व्यापार कर सकते हैं।**

अतः विकल्प (d) सही है।

Sources:

- <https://www.pfrda.org.in/myauth/admin/showimg.cshtml?ID=1972#:~:text=The%20Pension%20Funds%20are%20all owed.of%20the%20Pension%20Fund%20at>
- <https://www.livemint.com/insurance/news/insurers-allowed-to-invest-in-debt-instruments-of-invits-reits-11619175038894.html>
- <https://economictimes.indiatimes.com/wealth/invest/now-investors-can-buy-corporate-bonds-for-just-rs-10000-should-you-go-for-it/articleshow/110027300.cms?from=mdr>
- <https://www.rbi.org.in/commonperson/English/Scripts/FAQs.aspx?Id=711#:~:text=With%20the%20various%20measures%20for,G%2Dsecs%20through%20respective%20regulations.>
- <https://www.livemint.com/money/personal-finance/increasing-retail-investor-participation-in-corporate-bonds-the-case-for-a-smaller-ticket-size-11696785149518.html>
- https://nsdl.co.in/downloadables/ppt/Presentation_on_Investment_in_Government_Securities_-_Why_and_How_for_Retail_Investors.pdf
- https://economictimes.indiatimes.com/markets/bonds/g-sec-strips-trade-leaps-600-since-fy19-as-insurers-flock-to-bond-street/articleshow/100059770.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst

84. नमिनलखिति पर वचिार कीजयि :

1. एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF)
2. मोटर वाहन
3. मुद्रा की अदला-बदली

उपरयुक्त में से कसि/कनिहें वतितीय लखित (इंस्ट्रुमेंट) माना जाता है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वतितीय साधन अमूरत परसिंपत्तियाँ हैं, जनिसे भवषिय में नकदी के दावे के रूप में लाभ मलिने की उम्मीद की जाती है।
- इन लखितों को दो प्रकारों में वभिजति कयिा जा सकता है: नकद लखित और वयुत्पन्नी लखित या ऋण लखित या इक्विटी लखित जैसे परसिंपत्तित्ति वर्ग के आधार पर वभिजति कयिा जा सकता है। तीसरी वशिषिट श्रेणी वदिशी मुद्रा लखितों की है।
- वतितीय लखितों के उदाहरणों में स्टॉक, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ETF), बॉण्ड, जमा प्रमाण-पत्र (CD), म्यूचुअल फंड, ऋण और वयुत्पन्नी अनुबंध आदि शामिल हैं। अतः 1 सही है।
 - e-IMF लाइब्रेरी के अनुसार, वगित दो दशकों में, औद्योगिक देशों में केंद्रीय बैंकों की बढ़ती संख्या ने घरेलू चलनधि को संतुलति करने के लखितों में वदिशी मुद्रा स्वैप को शामिल कयिा है, भले ही अधकिंश देशों में वास्तवकि उपयोग सीमति रहा हो। अतः 3 सही है।
 - वदिशी मुद्रा लखितों में मुद्रा स्वैप, वदिशी मुद्रा वकिल्प, वदिशी मुद्रा स्वैप शामिल हैं और ये मुख्य रूप से मुद्राओं से संबंधति हैं।
- यदयपि मोटर वाहन एक मूरत परसिंपत्तित्ति है, इसलयि यह वतितीय लखित नहीं है। अतः 2 सही नहीं है।

अतः वकिल्प (d) सही है।

Sources:

- <https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/90561/3/Unit-3.pdf>
- <https://www.elibrary.imf.org/display/book/9781557755988/ch005.xml>

85. भारतीय अर्थव्यवस्था के सेक्टरों के संदर्भ में नमिनलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि :

आर्थकि गतविधि सेक्टर

1. कृषि उत्पाद का भंडारण - द्वतितीयक
2. डेरी फार्म - प्राथमकि
3. खनजि की खोज - तृतीयक
4. कपड़ा बुनाई - द्वतितीयक

उपरयुक्त युग्मों में से कतिने सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषिउपज के भंडारण को तृतीयक या सेवा क्षेत्र में रखा गया है। तृतीयक या सेवा क्षेत्र उत्पादन की प्रक्रिया को सहायता प्रदान करता है। इसमें उत्पादों का परिवहन, भंडारण, वपिणन और बिक्री शामिल है। अतः युग्म 1 सही नहीं है।
- डेयरी क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है। प्राथमिक गतिविधियाँ प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर होती हैं क्योंकि ये पृथ्वी के संसाधनों के उपयोग को संदर्भित करती हैं। अतः युग्म 2 सही है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में खनजि अन्वेषण एक प्राथमिक क्षेत्र है। प्राथमिक क्षेत्र में कच्चे माल का निष्कर्षण और कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ शामिल हैं। अतः युग्म 3 सही नहीं है।
- कपड़ों की बुनाई द्वितीयक गतिविधि के अंतर्गत आती है। इस क्षेत्र में तैयार माल का उत्पादन शामिल है। अतः युग्म 4 सही है।

अतः विकल्प (b) सही है।

86. निम्नलिखित सामग्रियों पर विचार कीजिये:

1. कृषिअवशष्ट
2. मक्का के दाने
3. अपशष्ट जल शोधन अवपंक
4. काष्ठ मलि अपशष्ट

उपर्युक्त में से कसिका उपयोग संधारणीय वमिनन ईधन के उत्पादन के लिये फीडस्टॉक के रूप में कयिा जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3 और 4
- (c) 1, 2, 3 और 4
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

संधारणीय वमिनन ईधन के उत्पादन के लिये संधारणीय फीडस्टॉक्स की सूची:

- मकई अनाज
- तलिहन
- शेवाल
- अन्य वसा, तेल और ग्रीस
- कृषिअवशष्ट
- वन अवशष्ट
- काष्ठ मलि अपशष्ट
- नगरपालिका ठोस अपशष्ट धाराएँ
- आर्दर अपशष्ट (खाद, अपशष्ट जल, अपशष्ट जल शोधन अवपंक)
- समरपति ऊर्जा फसलें

अतः विकल्प (c) सही है।

87. भारतीय अर्थव्यवस्था में भौतिक पूँजी के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये :

वस्तु	श्रेणी
1. कसिान का हल	कार्यशील पूँजी

2. कंप्यूटर	स्थिर पूंजी
3. बुनकर द्वारा प्रयोग किया जाने वाला सूत	स्थिर पूंजी
4. पेट्रोल	कार्यशील पूंजी

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक
 (b) केवल दो
 (c) केवल तीन
 (d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भौतिक पूंजी से तात्पर्य उन परसिंपत्तियों से है, जो किसी संगठन के स्वामित्व में होती हैं तथा उसी के द्वारा उपयोग में लाई जाती हैं जैसे भवन, मशीनरी और वाहन इत्यादी।

- उपकरण, मशीनें, इमारतें, हल, जनरेटर, टर्बाइन, कंप्यूटर आदिका उपयोग कई वर्षों तक उत्पादन में किया जा सकता है और इसलिये उन्हें स्थिर पूंजी कहा जाता है। खेती का हल स्थिर भौतिक पूंजी का एक उदाहरण है। हल एक कृषि उपकरण है जिसका उपयोग फसल बोने की तैयारी में मट्टी को ढीला करने और जोतने के लिये किया जाता है। अतः युग 1 सही नहीं है।
- कंप्यूटर को व्यवसाय के लिये एक स्थिर परसिंपत्तमाना जाता है क्योंकि यह लंबे समय तक व्यवसाय की सेवा करता है। स्थिर पूंजी एक व्यवसाय की ऐसी परसिंपत्तियाँ हैं जो प्रकृति में स्थिर होती हैं और व्यवसाय द्वारा उनका निपटान नहीं किया जाता है। इन परसिंपत्तियों में भूमि, भवन, संयंत्र, मशीनरी, स्थिर उपकरण, फर्नीचर, फक्सचर, वाहन, पशुधन आदि शामिल हैं। अतः युग 2 सही है।
- उत्पादन के लिये कई तरह के कच्चे माल की ज़रूरत होती है, जैसे- बुनकर द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला धागा, मशीनों और परिवहन में प्रयुक्त पेट्रोल या कुम्हार द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मट्टी। साथ ही, उत्पादन के दौरान भुगतान करने और अन्य ज़रूरी सामान खरीदने के लिये हमेशा कुछ नकदी की ज़रूरत होती है। कच्चे माल और नकद को कार्यशील पूंजी कहा जाता है। अतः युग 3 सही नहीं है परंतु युग 4 सही है।

Source- [NCERT](#)

88. नमिनलखिति में से कौन-सा शब्द/वाक्यांश का उपयोग “3D आभासी (वर्चुअल) दुनिया के एक इंटरऑपरेबल नेटवर्क, जिससे ऐसे लाखों प्रयोक्ताओं द्वारा एक साथ एक्सेस किया जा सकता है, जो आभासी (वर्चुअल) वस्तुओं पर संपत्तिके अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं” को द्योतित करने के लिये सर्वाधिक उपयुक्त रूप से किया जाता है?

- (a) बगि डेटा एनालिटिक्स
 (b) क्रिप्टोग्राफी
 (c) मेटावर्स
 (d) वर्चुअल मैट्रिक्स

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मेटावर्स एक उभरता हुआ 3D सक्षम डिजिटल स्पेस है जो आभासी वास्तविकता (VR), संवर्द्धित वास्तविकता और अन्य उन्नत इंटरनेट एवं अर्द्धचालक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है ताकि लोगों को ऑनलाइन वास्तविक व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक अनुभव प्राप्त हो सके।
- मेटावर्स से तात्पर्य एक साझा वातावरण से है जो अनेक 3D आभासी क्षेत्रों में फैला हुआ है।
- मेटावर्स को लाखों प्रयोक्ताओं द्वारा एक साथ एक्सेस किया जा सकता है, जो आभासी (वर्चुअल) वस्तुओं पर संपत्तिके अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं।

अतः विकल्प (c) सही है।

89. वदेशी बैंकों के साथ व्यवहार करते समय भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा अधिपति नियम/नियमों के संदर्भ नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजिये :

1. भारत में पूर्ण स्वामित्व वाले सहायक बैंको (बैंकिंग सब्सडिरियों) के लिये कोई न्यूनतम पूंजी की आवश्यकता नहीं है।
2. भारत में पूर्ण स्वामित्व वाले सहायक बैंकों (बैंकिंग सब्सडिरियों) के लिये, बोर्ड सदस्यों के कम-से-कम 50% भारतीय नागरिक होने चाहिये।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भारत में वदेशी बैंकों द्वारा पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों (WOS) के लिये नियम:

- पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के लिये आरंभिक न्यूनतम प्रदत्त मताधिकारी इक्विटी पूंजी 5 बलियन रुपए होगी। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- यह सुनिश्चित करने के लिये कि भारत में स्थापित वदेशी बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के नदिशक मंडल स्थानीय संस्था के सर्वोत्तम हति में कार्य करते हैं, RBI अन्य देशों में सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप यह आदेश दे सकता है कि 50 प्रतिशत से कम नदिशक भारत में रहने वाले भारतीय नागरिक न हों। अतः कथन 2 सही है।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source: [RBI](#)

Source: [RBI](#)

90. भारत में नगिमति सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) नियमों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर वचार कीजिये :

1. CSR नियम वनिरिदषिट करते हैं कि सीधे कंपनी अथवा इसके कर्मचारियों को लाभ पहुँचाने वाले व्यय को CSR कार्यकलापों के रूप में नहीं माना जाएगा।
2. CSR नियम CSR कार्यकलापों पर होने वाले न्यूनतम व्यय को वनिरिदषिट नहीं करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कंपनी (CSR नीति) नियम, 2014 के नियम 2(1)(d)(iv) में कहा गया है कि कंपनी के कर्मचारियों को लाभ पहुँचाने वाली कोई भी गतविधि अरहत CSR गतविधि नहीं मानी जाएगी। नियम के अनुसार, कर्मचारियों के लाभ के लिये वशिष रूप से अभकिल्पति की गई कोई भी गतविधि "कर्मचारियों को लाभ पहुँचाने वाली गतविधि" मानी जाएगी और स्वीकार्य CSR व्यय के रूप में योग्य नहीं होगी। अतः कथन 1 सही है।
- प्रत्येक कंपनी, जिसके लिये CSR प्रावधान लागू होते हैं, के नदिशक मंडल को यह सुनिश्चित करना होगा कि कंपनी अपनी CSR नीति के अनुसार प्रत्येक वत्तीय वर्ष में तत्काल पूर्ववर्ती तीन वत्तीय वर्षों के दौरान अर्जति औसत शुद्ध लाभ का कम-से-कम 2% व्यय करे। अतः कथन 2 सही नहीं है।

अतः विकल्प (a) सही है।

source: [CLEAR TAX](#)

Source: [MCA](#)

91. विकिरण समस्थानिक ताप-वैद्युत जेनरेटरों (RTGs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. RTGs लघु वखिंडन रफिक्टर हैं।
2. RTGs का प्रयोग अंतरिक्षयानों के ऑन-बोर्ड प्रणालियों को वदियुत आपूर्त करने के लिये होता है।
3. RTGs में प्लूटोनियम-238 का उपयोग किया जा सकता है, जो शस्त्र विकास का एक उपोत्पाद है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- विकिरण समस्थानिक ताप-वैद्युत जेनरेटर (RTG) हल्के, कॉम्पैक्ट स्पेसक्राफ्ट पावर सिस्टम हैं जो असाधारण रूप से विश्वसनीय हैं। कभी-कभी इन्हें "न्यूक्लियर बैटरी" के रूप में भी जाना जाता है। RTG वखिंडन रफिक्टर नहीं हैं, न ही प्लूटोनियम का उपयोग परमाणु आयुध के लिये किया जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- RTG को अमेरिकी अंतरिक्ष यान जैसे कि वॉयेजर कैसिनी और क्यूरियोसिटी द्वारा असाधारण उपलब्धियों वाले मशिनों को शक्ति प्रदान करने के लिये सफलतापूर्वक नियोजित किया गया है। अतः कथन 2 सही है।
- RTG हल्के, कॉम्पैक्ट स्पेसक्राफ्ट पावर सिस्टम हैं जो असाधारण रूप से विश्वसनीय हैं। RTG प्लूटोनियम ऑक्साइड के रूप में प्लूटोनियम-238 के प्राकृतिक रेडियोधर्मी क्षय से ऊष्मा का उपयोग करके वदियुत शक्ति प्रदान करते हैं। अतः कथन 3 सही है।

अतः विकल्प (b) सही है।

Source: [NASA](#) AND [DRISHTI IAS](#)

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

कथन-I : बृहत तारे वामन तारों की तुलना में अधिक समय तक अस्तित्व में बने रहते हैं।

कथन-II : वामन तारों की तुलना में, बृहत तारों में नाभिकीय अभिक्रियाओं की उच्चतर दर होती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, कति कथन-II, कथन-I की व्याख्या करता है
- (c) कथन-I सही है, कति कथन-II सही नहीं है
- (d) कथन-I सही नहीं है, कति कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बृहत तारों का द्रव्यमान हमारे सूर्य के द्रव्यमान से आठ गुना से लेकर 100 गुना तक होता है। इन बृहत तारों में वामन तारों की तुलना में अधिक गर्म एवं सघन करोड क्षेत्र होता है। इसलिये बृहत तारों में नाभिकीय अभिक्रियाओं की उच्चतर दर होती है जो तारों को दीप्तमान बनाती है। अतः कथन 2 सही है।
- बृहत तारे अपने करोड क्षेत्र में हाइड्रोजन ईंधन का भी उपयोग करते हैं, भले ही वे अपनी आरंभिक अवस्था में काफी हद तक हाइड्रोजन युक्त होते हैं, जिसका अर्थ है कि इनकी आयु वामन तारों की तुलना में बहुत कम होती है। अतः कथन 1 सही नहीं है।

अतः विकल्प (d) सही है।

93. नमिनलखिति में से कौन-सा, मानव शरीर में संश्लेषित होता है जो रक्त वाहिकाओं को वसिफारति करता है और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है?

- (a) नाइट्रिक ऑक्साइड
- (b) नाइट्रस ऑक्साइड
- (c) नाइट्रोजन डाइऑक्साइड
- (d) नाइट्रोजन पेंटऑक्साइड (पेंटॉक्साइड)

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- नाइट्रिक ऑक्साइड समग्र स्वास्थ्य के लिये एक आवश्यक अणु है। एक वाहिका-वसिफारक के रूप में, नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं की शथिलता का संकेत देता है, जसिसे वह वसिफारति हो पाती है।
- यह प्रभाव रक्त, पोषक तत्त्वों एवं ऑक्सीजन को शरीर के हर हसिसे में स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होने की अनुमति देता है। हालाँकि जब नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन कम हो जाता है, तो आपका स्वास्थ्य बगिड़ सकता है।
- इसलिये, शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के इष्टतम स्तर को प्राप्त करना एवं नयितरति रखना महत्त्वपूर्ण है। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को वसिफारति करता है, रक्त की आपूर्ति बढ़ाता है एवं रक्तचाप को कम करता है।

अतः विकल्प (a) सही है।

Source: [Healthline](#)

94. नमिनलखिति गतविधियों पर वचिार कीजयि :

1. वमिनपत्तनों अथवा वमिनो में यात्रयिों के पास मौजूद स्वापक पदार्थों (नार्कोटिक्स) की पहचान
2. वर्षण का मॉनीटरन
3. पशुओं के प्रवास पर नजर रखना (ट्रैकिंग)

उपर्युक्त में से कतिनी गतविधियों में रेडारों का उपयोग कयिा जा सकता है?

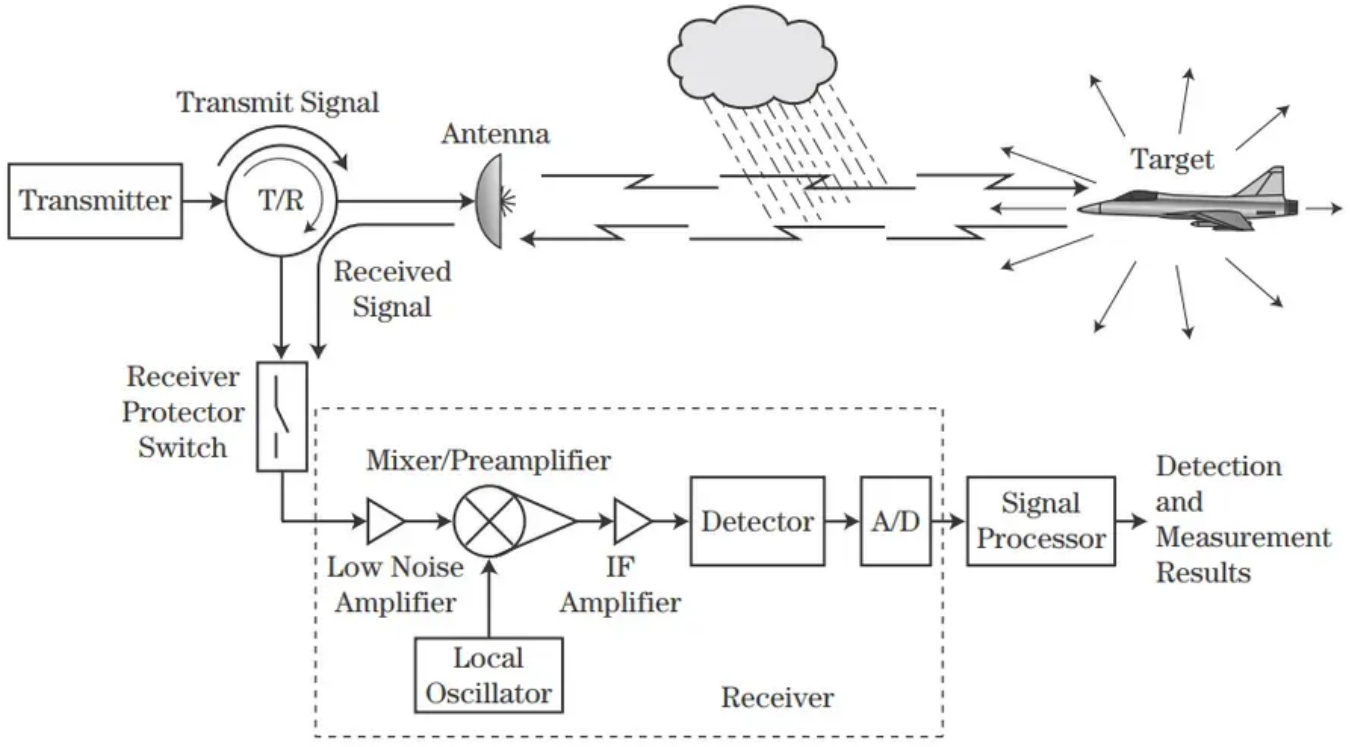
- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- रेडार (रेडयो डिटिक्शन और रेंजिंग) ससि्टम वस्तुओं का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिये रेडयो तरंगों का उपयोग करता है। ये रेडयो तरंगों का उत्सर्जन करके वस्तुओं की स्थिति, गति और वशिषताओं को नरिधारति करने के लिये परावर्तित संकेतों का वशि्लेषण करता है।
- परंपरागत रूप से, रेडार का उपयोग हवाई यातायात नयितरण, मौसमीय नगरिानी तथा नौपरविहन के लिये कयिा जाता रहा है। अतः बदि 2 सही है।
- यात्री पहचान के लिये इसके उपयोग ने मौजूदा तकनीकों के अभनिव अनुप्रयोग शामिल हैं।
 - मलीमीटर-वेव रेडार स्कैनर का उपयोग हवाई अड्डों पर शारीरिक संपर्क के संगुप्त वस्तुओं जैसे स्वापक पदार्थों का पता लगाने के लिये कयिा जाता है। अतः बदि 1 सही है।
- 1960 के दशक से, रेडार प्रवासी जीवों का अध्ययन करने के लिये व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक बन गई है। अतः बदि 3 सही है।

अतः विकल्प (c) सही है।



Source: [Nature](#) and [Slideshare](#)

95. नमिनलखिति वमिनॉ पर वचिर कीजयि :

1. राफेल
2. MiG-29
3. तेजस MK-1

उपरयुक्त में से कतिने पाँचवी पीढी के लड़ाकू वमिन माने जाते हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- पाँचवी पीढी (5G) के लड़ाकू वमिन अत्यंत प्रतसिपर्द्धी युद्ध क्षेत्रों, वास्तवकि समय आधारति एवं प्रत्याशति सबसे उन्नत हवाई तथा थल खतरों की उपस्थति में संचालनीय क्षमता रखते हैं।
- 5G लड़ाकू वमिन में सटीलथ क्षमताएँ होती हैं और आफ्टरबर्नर की सहायता के बनि सुपरसोनकि गति से उड़ान भरने में सक्षम हैं।
- वर्तमान में रूस के पास सुखोई Su-57, चीन के पास चेंगदू J-20 और अमेरिका के पास F-35 पाँचवी पीढी (5G) के लड़ाकू वमिन हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source: [Drishiti IAS](#)

96. नमिनलखिति में से कनिमें हाइड्रोजेलों का प्रयोग होता है?

1. रोगियों में नयित्तरति औषधि डिलीवरी
2. चल वातानुकूलन प्रणाली
3. औद्योगिकि स्नेहकों का वरिचन

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (B/D)

व्याख्या:

- हाइड्रोजेल के अनुकूलीय गुणों, नयित्तरति नमिन एवं परवर्ती औषधि के प्रतिसंरक्षण क्षमताओं के कारण, हाइड्रोजेल की स्थानीय औषधि वतिरण प्रणाली के रूप में इसकी क्षमताओं का अन्वेषण कयि जा रहा है। अतः कथन 1 सही है।
 - Source: [National Institute of Health](#)
- चल वातानुकूलन और रेफ्रजिरेशन प्रणाली में सक्रयि शीतलन तकनीक का उपयोग कयि जाता है, जसिमें जीवाश्म ईंधन से बहुत अधिक ऊर्जा खपत होती है। दूसरी ओर, नषिक्रयि शीतलन को एक वकिल्प के रूप में माना जाता है क्योकियह प्रभावी एवं वहनीय वकिल्प है। हाइड्रोजेल लचीले एवं नरम त्रआयामी नेटवर्क हैं जनिमें उच्च जल सामग्री के साथ वकिरिण शीतलन गुण होते हैं जो उन्हें नषिक्रयि शीतलन तकनीक में उपयोग के लयि उपयुक्त बनाते हैं। अतः कथन 2 सही है।
 - Source: [AIMS Press](#)
- हाइड्रोजेल का उपयोग कार्यात्मक स्नेहक के रूप में कयि जा रहा है क्योकि इसके उत्कृष्ट घर्षण-रोधी और जीर्णनरोधी गुण, अनुकूलनीय लाक्षणिकि प्रयोग क्षमता तथा अर्द्ध ठोस प्रकृति के कारण यह पारंपरिक तरल स्नेहक या रसिाव के कारण होने वाली स्नेहन वफिलताओं को कम करने में प्रभावी है। हालाँकि, वर्तमान में अनरिणायक शोध के कारण, औद्योगिकि स्नेहक के रूप में इसके वास्तविकि अनुप्रयोग का पता लगाना कठनि है। अतः कथन 3 सही है।
 - Source: [Research Gate](#)

अतः वकिल्प (B/D) सही है।

97. नमिनलखिति में से कौन-सा हाइड्रोजन द्वारा चालति फ्यूल सेल इलेक्ट्रिकि वाहनों से नकिलने वाला नरिवातक नली उत्सर्जन है?

- (a) हाइड्रोजन परऑक्साइड (परॉक्साइड)
- (b) हाइड्रोनयिम
- (c) ऑक्सीजन
- (d) जल-वाष्प

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- ईंधन-सेल इलेक्ट्रिकि वाहन केवल जल वाष्प और गर्म हवा उत्सर्जति करते हैं, जसिसे हानिकारक नरिवातक नली उत्सर्जन नहीं होता है। वदियुत के समान हाइड्रोजन भी एक ऊर्जा वाहक है जसिका उत्पादन वभिनिन फीडस्टॉक्स से कयि जा सकता है। हाइड्रोजन उत्सर्जन का आकलन करते समय इन फीडस्टॉक्स और उत्पादन वधियिों पर वचिार कयि जाना चाहयि।
- फ्यूल सेल इलेक्ट्रिकि वाहन (FCEV) इंजन पारंपरिकि आंतरिकि दहन इंजन के समान हैं क्योकिवि भी ईंधन (हाइड्रोजन) और ऑक्सीजन की नरितर आपूर्ति पर नरिभर करते हैं।
- हालाँकि ईंधन सेल में कोई गतशील भाग नहीं होते हैं, इसलयि वे अधिक कुशल और वशिवसनीय होते हैं।

अतः वकिल्प (d) सही है।

Source:

- **Drishti IAS Link:**
 - [Hydrogen Fuel Cell](#)
 - [First Green Hydrogen Fuel Cell Bus](#)
- **Other Source:**
 - <https://afdc.energy.gov/vehicles/fuel-cell>

98. हाल ही में, “पंपड-स्टोरेज हाइड्रोपावर” शब्द की वास्तव में और समुचित रूप से नमिनलखिति में से कसिके संदर्भ में चर्चा की गई है?

- (a) सीढ़ीदार खेतों की सचिाई
- (b) धान्य (अनाज) फसलों की उत्थान सचिाई
- (c) दीर्घावध ऊर्जा भंडारण
- (d) वर्षा-जल संचयन प्रणाली

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- ‘पंपड-स्टोरेज हाइड्रोपावर’ एक प्रकार का हाइड्रोइलेक्ट्रिक ऊर्जा भंडारण है जो वदियुत उत्पन्न करने के लिये अलग-अलग ऊँचाई पर दो जलाशयों में संग्रहीत जल का उपयोग करता है।
- जब अतिरिक्त वदियुत उपलब्ध होती है अर्थात् नवीकरणीय स्रोतों जैसे सौर एवं पवन से पर्याप्त आपूर्ति की स्थिति, अतः वदियुत की कम आवश्यकता वाली स्थिति में इसका उपयोग नचिले जलाशय से ऊपरी जलाशय में जल पंपड करने के लिये कथिा जाता है।
- जब वदियुत की मांग होती है, तब जल ऊपरी जलाशय से पुनः नचिले जलाशय में छोड़ा जाता है, जो वदियुत उत्पन्न करने वाले टर्बाइनों से होकर गुजरता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

- **Drishti IAS Link:** [India's Leap Towards Green Energy](#)
- Other Source:
 - https://www.google.com/url?q=https://www.business-standard.com/industry/news/centre-approves-nearly-12-gw-pumped-storage-hydropower-projects-124011800894_1.html&sa=D&source=docs&ust=1718534228796932&usg=AOvVaw0QoSrSbjDohgH8F05UZ6P
 - [\(PDF\) Pumped Storage Hydropower](#)

99. “मेम्ब्रेन बायोरिएक्टर्स” की चर्चा प्रायः कसि संदर्भ में की जाती है?

- (a) सहायताप्राप्त प्रजनन प्रौद्योगिकियाँ
- (b) औषधि डिलीवरी नैनो-प्रौद्योगिकियाँ
- (c) टीका (वैक्सीन) उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ
- (d) अपशषिट-जल शोधन प्रौद्योगिकियाँ

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मेम्ब्रेन बायोरिएक्टर (MBR) तकनीक पारंपरिक जैविक अपशषिट जल शोधन एवं आधुनिक मेम्ब्रेन प्रक्रियाओं का एक कुशल संकर उत्पाद है जिसका उपयोग नगरपालिका तथा औद्योगिक दोनों के अपशषिट जल शोधन में कथिा जाता है। पारंपरिक वदियमान अपशषिट प्रक्रियाओं के समान जनिमें कार्बनिक प्रदूषकों को नष्ट करने के लिये सूक्ष्मजीवों का प्रयोग कथिा जाता रहा है, यह वधि निलिंबति ठोस पदार्थों को हटाने के लिये उन्नत मेम्ब्रेन का उपयोग करती है, जसिसे हैवी क्लेअरफायर की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Source:

- **Drishti IAS Link: (No Specific Link)** [Membrane to Clean Toxic Effluents - Drishti IAS](#)
- **Other Source:** [Membrane Bioreactor \(MBR\) Wastewater Treatment | Seven Seas](#)
- <https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4931528/>

100. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, “संपार्श्वकीकृत उधार लेन-देन संबंधी दायित्व” नमिनलखिति में से कसिके लखित (इंस्ट्रमेंट) हैं?

- (a) बॉण्ड बाज़ार
- (b) वदिशी मुद्रा बाज़ार
- (c) मुद्रा बाज़ार
- (d) शेयर (स्टॉक) बाज़ार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संपार्श्वकीकृत उधार लेन-देन संबंधी दायित्व (CBLO) मुद्रा बाज़ार के लखित है जो ऋण की शर्तों और शर्तों के संबंध में उधारकर्त्ता एवं ऋणदाता के बीच दायित्व का प्रतनिधित्व करता है। CBLO कसिी भी वशिषिट देश में अंतर-बैंक कॉल मनी मार्केट का उपयोग करने से प्रतबिंधति लोगो को अल्पकालकि मुद्रा बाज़ारों में भाग लेने की अनुमतदिता है।
- क्लयिरिगि कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लमिटेड (CCIL) ने 20 जनवरी, 2003 से संपार्श्वकीकृत उधार लेन-देन संबंधी दायित्व (CBLO) नामक एक मुद्रा बाज़ार लखित प्रस्तुत कयिा है।

अतः विकल्प (c) सही है।

Source:

Drishti IAS Link: NA

- **Other Source:** <https://www.investopedia.com/terms/c/cblo.asp>,
- https://rbi.org.in/Scripts/BS_CircularIndexDisplay.aspx?Id=2388

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-analysis-2024>